सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 126 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 18 फरवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

महिला का अंतिम संस्कार करने बिहार लेकर जा रहे थे परिजन, रास्ते में लगा गाड़ी का ब्रेक तो चलने लगी सांसे

कोरबा। मौत को छूकर टक्क से वापस आ जाने वाला डायलॉग तो आपने सुना ही होगा। कुछ ऐसा ही मामला छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से सामने आया है। जहां एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान एक वृद्ध महिला को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया था। जो अंतिम संस्कार के ठीक पहले जिंदा हो गई। जिंदा होने के बाद महिला को एक बार फिर इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। इस खबर के सामने आने के बाद लोग इसे किसी चमत्कार से काम नहीं मान रहे हैं।

दरअसल यह मामला छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले का बताया जा रहा है। जहां बिहार की रहने वाली 72 साल की वृद्ध महिला का एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज किया जा रहा था। जहां इलाज के दौरान उस महिला की मौत हो गई थी। महिला की मौत की पुष्टि खुद अस्पताल के डॉक्टरों ने की थी। मौत के बाद परिजन उसका दाह संस्कार करने के लिए बिहार के बेगूसराय लेकर पहुंचे हुए थे। जैसे ही परिजन बिहार पहुंचे उस वक्त अचानक वृद्ध महिला जिंदा हो गई। महिला के जिंदा होने के बाद उसे बेगूसराय के सदर अस्पताल के आईसीयू में एक बार फिर भर्ती करा दिया गया है।

बता दे कि छत्तीसगढ़ में डॉक्टर ने महिला का हार्ड ब्लॉक होने की वजह से उसे मृत घोषित किया था। उसके बाद परिजन उसे चार पहिया वाहन से बिहार लेकर जा रहे थे। अचानक रास्ते में चार पहिया वाहन में जोरदार जर्क ब्रेक से सीपीआर की वजह से मृतक महिला की सांस दोबारा चलने लगी। जानकारी के अनुसार महिला की स्थिति ठीक है, डॉक्टर एक बार फिर उसका इलाज कर रहे हैं।

भाजपा में बूथ कार्यकर्ता भी पीएम बन सकता है', अधिवेशन में बोले शाह- हम खुद हिंसा के भुक्तभोगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में अपने संबोधन के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा और दावा किया कि भाजपा ही ऐसी पार्टी है, जहां एक बूथ कार्यकर्ता भी पीएम बन सकता है। शाह ने कहा कि 'भाजपा में बूथ का काम करने वाला एक व्यक्ति देश का राष्ट्रपति भी बन सकता है और प्रधानमंत्री भी बन सकता है। ये सहूलियत केवल भाजपा में ही उपलब्ध है, क्योंकि हमने पार्टी को लोकतांत्रिक बनाकर रखा है।'

जैनमुनि आचार्य विद्यासागर महाराज ने ली समाधि, तीन दिन के उपवास के बाद चंद्रगिरी पर्वत पर त्यागा शरीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। विश्व प्रसिद्ध जैन मुनि आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने देह त्याग दिया है। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी में जैन आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने अंतिम सांसें लीं। रात लगभग 2:30 बजे महाराज का देवलोक गमन हो गया। जैन समाज के प्रमुख धर्म गुरुओं में से एक आचार्य विद्यासागर जी महाराज थे। रविवार को दोपहर लगभग एक बजे उन्हें पंचतत्व में विलीन किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहेंगे।

बता दें कुछ माह पूर्व विधानसभा चुनाव के पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डोंगरगढ़ पहुंचकर जैन आचार्य विद्यासागर जी महाराज से मुलाकात की थी, जिसकी फोटो उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। विद्यासागर महाराज के निधन पर पीएम मोदी ने एक्स हैंडल पर कहा कि मेरे विचार और प्रार्थनाएं आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज जी के अनगिनत भक्तों के साथ हैं।

समाज में अमूल्य योगदान के लिए याद रहेंगे आचार्य

पीएम मोदी ने कहा कि आने वाली पीढ़ियाँ उन्हें समाज में उनके अमूल्य योगदान के लिए याद रखेंगी, विशेषकर लोगों में आध्यात्मिक जागृति के उनके प्रयासों, गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और अन्य कार्यों के लिए। मुझे वर्षों तक उनका आशीर्वाद प्राप्त करने का गौरव प्राप्त हुआ। मैं पिछले साल के अंत में डोंगरगढ़, छत्तीसगढ़ में चंद्रगिरि जैन मंदिर की अपनी यात्रा को कभी नहीं भूल सकता। उस समय मैंने आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज जी के साथ समय बिताया था और उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया था।

छत्तीसगढ़ में आधे दिन का राजकीय शोक

जैन मुनि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज जी के देहावसान पर राज्य सरकार ने 18 फरवरी 2024 को आधे दिवस का राजकीय शोक घोषित किया। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किया। जारी आदेश में कहा गया है कि राजकीय शोक की अवधि में राज्य स्थित समस्त शासकीय भवनों एवं जहा पर नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराये जाते हैं, वहां पर राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे तथा शासकीय स्तर पर कोई मनोरंजक व सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं किया जाएगा।

समाज के लिए योगदान युगों-युगों तक स्मरण किया जाएगा : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्र संत आचार्य श्री विद्यासागर महा मुनिराज जी के ब्रम्हलीन होने पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का देश व समाज के लिए योगदान युगों-युगों तक स्मरण किया जाएगा। उन्होंने कहा है कि विश्व वंदनीय, राष्ट्र संत आचार्य श्री विद्यासागर महामुनिराज जी के डोंगरगढ़ स्थित चंद्रगिरी तीर्थ में सल्लेखना पूर्वक समाधि का समाचार प्राप्त हुआ। छत्तीसगढ़ सहित देश-दुनिया को अपने ओजस्वी ज्ञान से पल्लवित करने वाले आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज को देश व समाज के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्य, उनके त्याग और तपस्या के लिए युगों-युगों तक स्मरण किया जाएगा। आध्यात्मिक चेतना के पुंज आचार्य श्री विद्यासागर जी के श्रीचरणों में कोटि-कोटि नमन।

आचार्य का समर्पण अविस्मरणीय : राज्यपाल हरिचंदन

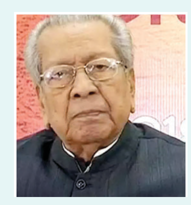

जैन मुनि विद्यासागर महाराज के निधन पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि परम् वंदनीय संत, आचार्य श्री विद्यासागर जी महराज के ब्रह्मलीन होने का समाचार मिला. ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणों में आश्रय प्रदान करें. विश्व-कल्याण के लिए आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का समर्पण अविस्मरणीय है। आचार्यश्री के चरणों में कोटि-कोटि नमन।

पीएम मोदी 20 फरवरी को करेंगे केंद्रीय विद्यालय का वर्चुअल लोकार्पण, कलेक्टर ने लिया तैयारियों का जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 20 फरवरी को छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले के महराजपुर गांव स्थित नवीन केंद्रीय विद्यालय भवन का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। इस लोकार्पण समारोह में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा, सांसद संतोष पांडेय को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। केंद्रीय विद्यालय भवन एवं कर्मचारी आवासीय भवन सहित अन्य निर्माण कार्य की लागत 20.56 करोड़ रुपये है। शनिवार को कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने केंद्रीय विद्यालय भवन के लोकार्पण की तैयारियों का जायजा लिया।

स्कूल के प्राचार्य सुशील कुमार ने बताया कि केंद्रीय विद्यालय भवन निर्माण कार्य की आधारशीला वर्ष 2017 में रखी गई थी। वर्तमान में केंद्रीय विद्यालय कक्षा 11वीं तक संचालित है, जिसमें 486 विद्यार्थी अध्यनरत हैं। अध्यनरत विद्यार्थियों में 248 छात्र और 238 छात्राएं शामिल हैं। नवीन केंद्रीय विद्यालय भवन में सभी कक्षाएं उच्च स्तरीय तरीके से बनाई गई हैं। परिसर में खेल, संगीत सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए पर्याप्त जगह तैयार किए गए हैं। केंद्रीय विद्यालय वर्तमान में आउटडोर स्टेडियम परिसर में संचालित हो रहा है।

छत्तीसगढ़ में 19 फरवरी से शुरू होगी पीएम श्री योजना, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान होंगे मुख्य अतिथि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया पीएम श्री योजना का शुभारंभ 19 फरवरी को होने जा रहा है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में पीएम श्री योजना का शुभारंभ 19 फरवरी को शाम 5.30 बजे राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में होगा। कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल होंगे।

गौरतलब है कि केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत देश भर के 14500 सरकारी स्कूलों को पीएम श्री योजना में अपग्रेड किया जा रहा है। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 211 स्कूलों का चयन प्रथम चरण में किया गया है। इसमें एलीमेन्ट्री स्तर पर 193 और सेकेंडरी स्तर पर 18 स्कूल शामिल है। विद्यार्थियों को इन स्कूलों में आईसीटी, डिजिटल क्लास रूम के माध्यम से प्रदान की जाएगी। इन

स्कूलों के विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा एवं स्थानीय उद्योगों के साथ इंटर्नशिप, उद्यमिता के अवसरों से जोड़ा जाएगा।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं साक्षरता विभाग भारत सरकार, स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन और केन्द्रीय विद्यालय संगठन एवं नवोदय विद्यालय समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में लोकसभा सांसद सुनील सोनी, विधायक सर्वश्री राजेश मूणत, पुरन्दर मिश्रा, मोती लाल साहू, अनुज शर्मा, गुरू खुशवंत साहेब, इंद्र कुमार साहू और महापौर रायपुर एजाज ढेबर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

राहुल गांधी के खिलाफ सरकंडा थाने में शिकायत, बीजेपी विधायक ने दिया आवेदन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत की गई है। बिलासपुर के सरकंडा में यह शिकायत बेलतरा से भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने की गई है। इस शिकायत में पीएम नरेंद्र मोदी के विरुद्ध राहुल गांधी पर जातिगत टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है।

छत्तीसगढ़ में बेलतरा से विधायक सुशांत शुक्ला ने सरकंडा थाना में राहुल गांधी पर शिकायत करते हुए लिखा है कि कांग्रेस के उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने बीते 8 फरवरी को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान रायगढ़ की सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफजातिगत टिप्पणी की थी। साथ ही कहा कि पीएम मोदी की जाति के संबंध में भ्रामक और पूरी तरीके से असत्य कथन कहा था। विधायक सुशांत शर्मा ने कहा है कि इसी सभा के दौरान राहुल गांधी ने भाजपा के संबंध में कहा है कि वह हिंसा और नफरत की राजनीति करती है। सरकंडा में की गई शिकायत में राहुल गांध के द्वारा विशेष उद्देश्य से पीएम मोदी के खिलाफ मानहानी करते हुए टिप्पणी की है।

एफआईआर करने की मांग

छत्तीसगढ़ में भाजपा विधायक सुशांत शुक्ला ने पुलिस को दिए गए आवेदन में राहुल गांधी के खिलाफशिकायत करते हुए एफआईआर करने की मांग की है। शुक्ला ने पुलिस को शिकायत करते हुए कहा है कि आईपीएस की धारा 153ए, 295,500 और 501 के तहत राहुल पर एफआईआर करने की मांग करता हूं। बतादें कि यह विधायक सुशांत शुक्ला ने बीते 10 जनवरी को शिकायत करते हुए आवेदन किया था।

अब सड़क पर बिना हैलमेट गाड़ी चलाते दिखे पुलिस जवान तो खैर नहीं, एसपी ने जारी किया फरमान

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पुलिस कर्मियों को सड़क सुरक्षा का पाठ पढ़ाते हुए एसपी रायपुर ने सभी पुलिस के जवानों को हैलमेट और सीट बेल्ट लगाकर वाहन चलाने के निर्देश दिए है। रायपुर पुलिस कप्तान संतोष सिंह ने जिला पुलिस बल के जवानों, अधिकारियों और कर्मचारियों को ट्रैफिक नियम का शख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार एसपी ने सभी को यह कहा है कि यदि ट्रैफिक नियम की अवहेलना करते हुए कोई भी कर्मचारी या फिर अधिकारी पाए गए तो उन पर विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने परवाना जारी करते हुए यह लिखा है कि सभी पुलिस के कर्मचारी और अधिकारी ट्रैफिक नियमों का पालन करने के साथ-साथ जब भी वह दो पहिया वाहन चलाएं तो उस दौरान हेलमेट जरूर पहनें। इसके अलावा जब भी चार पहिया वाहन का इस्तेमाल करें तो सीट बेल्ट अवश्य लगाएं। अगर वह इन नियमों का पालन नहीं करते हैं और पकड़े जाते हैं, तो उन पर चालानी कार्रवाई के साथ-साथ विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य सेवाओं के पीछे पड़े मंत्री

श्रीकंचनपथ

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने के प्रयास शुरू कर दिये हैं। आयुष्मान कार्ड से पांच लाख रुपए की चिकित्सा सेवा मुफ्त करने के साथ-साथ सरकारी अस्पतालों को अपग्रेड करने के लिए उन्होंने एक नया रोडमैप तैयार किया है। इन चिकित्सालयों की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ वे चिकित्सकों की कमी को दूर करने की भी बात करते हैं। उन्होंने डाक्टरों के लिए बांड नीति को जारी रखने की घोषणा करते हुए कहा है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में एक-एक साल तक उन्हें बांड के तहत अनिवार्य सेवा देनी होगी। इसके बाद भी जरूरत पड़ी तो पैकेज पर पड़ोसी राज्यों से डाक्टर बुलाए जाएंगे। उन्होंने सरकारी चिकित्सालयों एवं मेडिकल कालेजों को भी उन्नत करने का प्लान बनाया है। उन्होंने चिंता जाहिर की है कि सरकार द्वारा इतने उपाय किये जाने के बाद भी गरीबों को निजी अस्पतालों को रिफर किया जा रहा है जहां जाकर वे अपनी तमाम जमा पूंजी गंवा रहे हैं। यहां दो बातें हैं, आम आदमी को लगता है कि पांच लाख तक का आयुष्मान कार्ड बन गया तो वे चिकित्सा पर होने वाले खर्च से मुक्त हो गए। पर ऐसा है नहीं। आयुष्मान कार्ड में चिकित्सा सेवाओं के अलग-अलग पैकेज होते हैं। कार्ड में कितना भी पैसा क्यों न पड़ा हुआ हो, यदि किसी खास बीमारी के लिए पैकेज 22 हजार का है तो इससे ऊपर होने वाला खर्च मरीज को उठाना पड़ता है। यह अपने आप में एक ऐसा फंदा है जिसमें मरीज से लेकर अस्पताल तक फंस जाते हैं। इसके साथ ही उन चिकित्सा पैकेजों से निजी अस्पतालों को अलग कर दिया गया है जो किसी भी अस्पताल के लिए रीढ़ को मजबूत करती है। यह मुसीबत निजी अस्पतालों की है कि उसके पास रोज की दाल रोटी कमाने का मौका हो या न हो, उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं देने के लिए खुद को तैयार रखना पड़ता है। सरकार को इस सवाल का भी हल ढूंढना चाहिए कि जब अन्य राज्यों के चिकित्सक यहां आकर निजी अस्पतालों में अपनी सेवाएं दे सकते हैं तो सरकारी क्षेत्र में क्यों नहीं। दरअसल, भारतीय सोच का यह नुक्स पुराना है। आजादी के बाद देश के उन तमाम उद्योगपतियों को लोहे के चने चबाने पड़े थे जिन्होंने ब्रिटिश काल में तेजी से तरक्की की थी। एक सोच यहीं से उपजी की उद्योगपति चोर होता है। अब इसका विस्तार निजी अस्पतालों तक हो गया है। जन-मानस यह मानकर चलता है कि निजी अस्पताल चोर हैं और उन्हें लूटने के लिए बैठे हैं। जबकि हकीकत यह है कि वे चिकित्सा सेवा की उन चुनौतियों को स्वीकार करते हैं जिसमें हाथ डालने से सरकारी अस्पताल इंकार कर देते हैं। इसलिए सबसे पहले तो सरकार आयुष्मान योजना की समीक्षा करे। यह जानने की कोशिश करे कि रेफरल और पैकेज के तहत इलाज कराने के बाद भी मरीज को जेब से पैसे क्यों देने पड़ते हैं।

संपादकीय

नफरत का अमेरिका

भले ही लाखों भारतीय युवाओं के लिये अमेरिका एक सुनहरे सपनों का देश हो, लेकिन नये साल की शुरुआत में पांच प्रतिभावान भारतीय छात्रों की मौत बताती है कि वहां जमीनी हकीकत खासी कंटीली है। अपनी मेधा-परिश्रम के बूते अपनी विशिष्ट जगह बनाते भारतीय युवा उन काहिल अमेरिकी युवाओं की आंख की किरकिरी बने हुए हैं जिन्हें लगता है कि भारतीय युवा उनकी जगह ले रहे हैं। दरअसल, इस सोच को दक्षिणपंथी राष्ट्रपति रहे डोनाल्ड ट्रंप ने हवा दी। डोनाल्ड ट्रंप तो युवाओं का राजनीतिक दोहन करके चले गए लेकिन पथभ्रष्ट अमेरिकी सफलता की नई इबारत लिख रहे युवा भारतीयों को निशाना बना रहे हैं। हालात कई भारतीय छात्रों के स्वप्नों का अमेरिका में दु:स्वप्न बनाया जा रहा है। फरवरी के पहले सप्ताह में शिकागो में एक भारतीय युवा को अज्ञात हमलावरों ने निशाना बनाया। इससे पहले एमबीए की डिग्री हासिल करने वाले विवेक सैनी की लिथोनिया में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इंडियाना में समीर कामत पिछले सप्ताह मृत पाए गए। एक अन्य छात्र नील आचार्य लापता हुए, बाद में उनकी मृत्यु होने की पुष्टि हुई। वहीं एक युवा अकुल धवन, जो इलिनोइस विश्वविद्यालय में पढ़ रहा था, पिछले माह मृत पाया गया। इसी तरह श्रेयस रेड्डी की मौत की खबर कुछ सप्ताह पूर्व आई। निश्चय ही ये हत्याएं उन छात्रों को व्यथित करने वाली हैं जो अमेरिका में अपने सपनों का संसार देखते हैं। निस्संदेह, ये घटनाएं उन मां-बाप के लिये दुखदायी हैं जो अपने चल-अचल संपत्ति बेचकर या जीवन की सारी पूंजी लगाकर अपने बच्चों का भविष्य संवारने अमेरिका भेजते हैं। ये बच्चे नस्लवादी व नशेड़ियों की हिंसा का शिकार बन रहे हैं। आज एक प्रतिशत भारतीय अमेरिकी अर्थव्यवस्था में छह फीसदी आयकर दे रहे हैं। उनकी संपन्नता कुछ अमेरिकियों की आंख में खटकती है। दरअसल, अमेरिका में बेरोजगारी काफी है और अपनी अयोग्यता के चलते भारतीय छात्रों का मुकाबला नहीं कर पाते। यह दुराग्रह उन्हें कालांतर में हिंसक बनाता है। दरअसल, केवल अमेरिकी युवा ही नहीं, अमेरिकी पुलिस भी नस्लवाद मुक्त नहीं है। एक भारतीय छात्रा की सड़क दुर्घटना में हुई मौत पर संवेदनहीन टिप्पणी करता एक पुलिसवाला पिछले दिनों सुर्खियों में था। सारी दुनिया में मानवाधिकारों व सांप्रदायिक सौहार्द की ठेकेदारी करने वाला अमेरिकी प्रशासन भी इस दिशा में गंभीर नजर नहीं आता। रोजगार के अवसरों की कमी के चलते उत्पन्न असंतोष की वजह से बड़ी संख्या में अमेरिकी युवा नशे और अपराध की दुनिया में उतर रहे हैं। यह दुखद ही है कि पिछले एक साल में अमेरिका में रह रहे पांच सौ बीस भारतीय मूल के लोगों के साथ नस्लीय हिंसा की घटनाएं हुई हैं जो पिछले साल के मुकाबले में चालीस फीसदी अधिक हैं। हिंसा की चपेट में केवल छात्र ही नहीं हैं बल्कि वहां नौकरी कर रहे और वहां बस चुके लोग भी शामिल हैं। दरअसल, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सार्वजनिक टिप्पणी की थी कि भारतीय युवा अमेरिकी युवाओं का हक छीन रहे हैं। उनका दावा था कि सत्ता में आने पर वे उनका हक दिलवाएंगे। यही वजह है कि दक्षिणपंथी ट्रंप को आज भी अधिक अमेरिकी युवाओं का समर्थन मिल रहा है। दक्षिणपंथी अमेरिकियों को इस बात से भी परेशानी है कि बाइडन प्रशासन भारतीय मूल के लोगों को अधिक तरजीह दे रहा है। आंकड़े बता रहे हैं कि बाइडन सरकार ने सवा सौ से अधिक महत्वपूर्ण पदों पर भारतीय मूल के लोगों की नियुक्ति की है। यहां तक कि आज अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस भी भारतीय मूल की हैं। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में भारतीय समुदाय के लोगों और राजनयिक कर्मचारियों को छात्रों तक पहुंचाने और उनकी समस्याओं को दूर करने के लिये अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। उन्हें समयबद्ध तरीके से जांच करवाने के लिये कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर भी दबाव बनाने का प्रयास करना चाहिए। भारतीय छात्रों को भी सचेत रहने की जरूरत है कि खुद को दुनिया का आदर्श लोकतंत्र कहने वाले अमेरिका में नस्लीय सड़ांध गहरे तक है। विडंबना यह है कि अमेरिकी मीडिया, जो भारत में छोटी-छोटी घटनाओं पर हो-हल्ला करता रहता है, घृणा के अपराधों को उजागर करने तथा भारतीय छात्रों की दशा पर खामोश रहता है।

> “ रोजगार के अवसरों की कमी के चलते उत्पन्न असंतोष की वजह से बड़ी संख्या में अमेरिकी युवा नशे और अपराध की दुनिया में उतर रहे हैं। यह दुखद ही है कि पिछले एक साल में अमेरिका में रह रहे पांच सौ बीस भारतीय मूल के लोगों के साथ नस्लीय हिंसा की घटनाएं हुई हैं जो पिछले साल के मुकाबले में चालीस फीसदी अधिक हैं।

इंडोनेशिया में निरंतरता

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति चुनाव में प्राबोवो सुबियांतो की जीत में आरंभ से ही कोई शक नहीं था। चुनाव नतीजे ने उनके देश का अगला राष्ट्रपति बनने पर मुहर लगा दी है। इस पद पर सुबियांतो के आने के साथ 17 हजार से अधिक द्वीपों से बने और सर्वाधिक मुस्लिम आबादी वाले इस देश में पारंपरिक शासक वर्ग सत्ता पर सीधे पुनर्स्थापित हो जाएगा। 2014 में बाहरी समझे जाने वाले जोको विडोडो ने चुनाव जीत तक यह उम्मीद जताई थी कि देश में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की का नया माहौल बनेगा। लेकिन जल्द ही विडोडो को यह अहसास हो गया कि सत्ता का टिकाऊ बनाने के लिए उन्हें पारंपरिक प्रभावशाली समूहों के साथ मिलकर चलना होगा। इस तरह उन्होंने जिन सुबियांतो को चुनाव में हराया था, उनसे हाथ मिला लिया। इस समय 72 वर्षीय सुबियांतो देश के रक्षा मंत्री हैं। वे पूर्व सैनिक जनरल हैं। इसके अलावा उनकी एक और पहचान पूर्व सैनिक तानाशाह सुहार्तो के पूर्व दामाद के रूप में भी है। जाहिर है, उनके प्रभाव की जड़ें गहरी हैं। इस बार के चुनाव में उन्होंने विडोडो के बेटे जिब्रान को उप-राष्ट्रपति का उम्मीदवार लिया था। इस तरह उनके अपने प्रभाव के साथ विडोडो की लोकप्रियता का भी साथ जुड़ गया।

विडोडो ने अपने दस साल के शासनकाल में खासकर आर्थिक नीतियों में कई नई पहल की। उनके राष्ट्रपति बनने के पहले तक इंडोनेशिया मुख्य रूप से कच्चे खनिजों- खासकर निकेल का निर्यात करता था। विडोडो ने देश के औद्योगीकरण पर ध्यान दिया। इस तरह देश शोधित खनिजों का निर्यात करने लगा। इससे विदेशी मुद्रा की आय बढ़ी। विडोडो ने अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा के बीच तटस्थ रुख अपनाया और चीनी कंपनियों को देश में कई ठेके दिए। उनमें बहुचर्चित हाई स्पीड रेल सेवा निर्माण का ठेका भी है। यह रेल सेवा चालू हो चुकी है। संभावना है कि सुबियांतो इन नीतियों को जारी रखेंगे। वैसे अंतरराष्ट्रीय दायरे में उनके सामने एक कड़ी चुनौती अपनी पूर्व छवि से उबरने की होगी। सुबियांतो पर सैनिक जनरल के बतौर 1998 में छात्र कार्यकर्ताओं को अगवा करने के साथ-साथ पापुआ और पूर्वी तिमोर में मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप रहे हैं।

कांग्रेस आलाकमान की भी जिद है

कांग्रेस ने राज्यसभा के लिए 10 नामों की जो सूची जारी है उसमें दो नाम बहुत दिलचस्प हैं। एक महाराष्ट्र के प्रत्याशी चंद्रकांत हंडोरे का नाम और दूसरा कर्नाटक के प्रत्याशी अजय माकन का नाम। माकन को कांग्रेस आलाकमान ने दो साल पहले 2022 में हरियाणा से राज्यसभा का प्रत्याशी बनाया था। तब भाजपा ने निर्दलीय कार्तिकेय शर्मा को समर्थन देकर चुनाव उलझा दिया। माकन की जीत सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा के विधायकों को छत्तीसगढ़ ले जाकर एक रिसॉर्ट में रखा गया था। तब छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की सरकार थी। लेकिन यह रणनीति काम नहीं आई और कांग्रेस के एक विधायक की क्रॉस वोटिंग के चलते अजय माकन एक वोट से चुनाव हार गए थे। इसी तरह पार्टी आलाकमान ने करीब दो साल पहले महाराष्ट्र में विधान परिषद चुनाव के लिए चंद्रकांत हंडोरे को उम्मीदवार बनाया था।

> “ उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार के जिन गांवों से मेरा सीधा नाता है, वहां इसे बड़ी मदद के तौर पर देखा जाता है। यही नहीं, किसानों व खेतिहरों के बच्चों तथा महिलाओं के लिए केंद्र और राज्य की सरकारें तमाम कल्याणकारी योजनाएं चलाती हैं। किसानों के खातों में 'कैश ट्रांसफर' की वजह से इसका सीधा और समूचा लाभ जरूरतमंदों को मिलता है।

अकेले किसान दुखी नहीं

शशि शेखर

अगर आपको जम्मू-कश्मीर, हिमाचल अथवा पंजाब जाना है, तो सावधान हो जाएं। बीच का राजमार्ग अवरुद्ध और वांछित ट्रेन रद्द हो सकती है। वजह? देश के एक खास हिस्से के किसान फिर से उबल पड़े हैं। उनके जत्थे दिल्ली की ओर कूच कर गए हैं, लेकिन हरियाणा की सीमा पर उन्हें रोक दिया गया है। पंजाब और हरियाणा की सीमा पर सुरक्षा बलों की जबरदस्त किलेबंदी है।

वहां जमे किसान धरने के जरिये सरकार पर दबाव बनाना चाहते हैं। उनका आरोप है कि हमारे साथ वायदा खिलाफी की गई। इस गुस्से को देखते हुए सहज तौर पर सवाल उभरता है कि किसान तो पूरे देश में फैले हैं, फिर उनका यह आंदोलन देशव्यापी क्यों नहीं है? इस सवाल का जवाब मैं आगे देने की कोशिश करूंगा, पर उससे पहले यूरोप का हाल भी जान लीजिए।

पिछले दिनों यूरोप के अनेक देशों के किसान अपने-अपने ट्रैक्टर लेकर महानगरों में घुस गए। उन्होंने राजमार्ग बाधित कर दिए, बंदरगाहों का काम रोकने की कोशिश की। यह गुस्सा अगर फ्रांस और जर्मनी जैसे अमीर देशों में पनपा, तो बेल्जियम, बुल्गारिया, हंगरी, इटली, पोलैंड अथवा स्पेन जैसे आर्थिक रूप से अपेक्षाकृत कमजोर देश भी समान लक्षणों वाले ज्वर से कंपकंपाने लगे। वहां के किसान अपनी-अपनी सरकार की नीतियों के विरुद्ध हुंकार रहे थे। उन्हें लगता है कि हमारे साथ नाइंसाफी हो रही है। फ्रांस और जर्मनी संसाधन-संपन्न मुल्क हैं, इसलिए उन्होंने किसानों की कुछ मांगों को तत्काल मान लिया। फ्रांस ने ईंधन रियायत में जो कटौती की थी, उसे वापस ले लिया और कीटनाशकों के प्रयोग में कमी के आदेश को भी रद्द कर दिया। जर्मनी ने भी समान कदम उठाने की घोषणा की है। यहां बताना जरूरी है कि उर्वरकों और कीटनाशकों के प्रयोग पर यूरोपीय संघ के तमाम ऐसे प्रस्ताव हैं, जिन्हें किसान अपने हित में नहीं मानते। उन पर भी पुनर्विचार का आश्वासन दिया गया, लेकिन किसानों की नाराजगी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

क्या पंजाब और हरियाणा के साथ यूरोप के किसानों की कोई तुलना की जा सकती है?

यकीनन, हालात अलग हैं, पर एक समानता भी है। समूची धरती के किसानों और किसानी को अलग नजरिए से देखने का वक्त आ गया है। कृषि को अब फौरी उपायों की नहीं, बल्कि नई दृष्टि और नई रणनीति की जरूरत है। संसार के सबसे पुराने इस उद्योग को अब बदले वक्त के अनुरूप ढालना ही होगा। कृषि को सिर्फ सियासत और अर्थशस्त्रियों के बीच का मामला नहीं मान लेना चाहिए। इसने सदी-दर-सदी हमारी सभ्यता और संस्कृति को गढ़ा है। यह धरती के मानवीय समाज और उसकी उस सनातन छटपटाहट से उपजा असंतोष है, जो वक्त के हर दौर में, हर बदलाव से पहले दर्ज किया गया है।

हमारे देश के बड़े हिस्से में पीढ़ी-दर-पीढ़ी घटती जोत, पानी की पनपती कमी और बरस-दर-बरस अनुत्पादक होती भूमि, उनके लिए चिंता का सबब बनती जा रही है। क्या सरकार ने उनकी ओर से आंख मूंद रखी है, जिसके लिए सड़कें और रेल-मार्ग अवरुद्ध करना जरूरी है? याद दिलाना चाहता हूं कि 2019 के अंतरिम बजट में केंद्र सरकार ने प्रति कृषक परिवार छह हजार रुपये सालाना राजकोष से देने का निर्णय किया था। इसी तरह, कोरोना काल में जरूरतमंदों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिमाह नि:शुल्क खाद्यान्न एवं खाद्य तेल देना शुरू किया था। ये योजनाएं जस की तस लागू हैं।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार के जिन गांवों से मेरा सीधा नाता है, वहां इसे बड़ी मदद के तौर पर देखा जाता है। यही नहीं, किसानों व खेतिहरों के बच्चों तथा महिलाओं के लिए केंद्र और राज्य की सरकारें तमाम कल्याणकारी योजनाएं चलाती हैं। किसानों के खातों में 'कैश ट्रांसफर' की वजह से इसका सीधा और समूचा लाभ जरूरतमंदों को मिलता है। यही नहीं, खेती के लिए तरह-तरह की अन्य रियायतें भी इस वर्ग को हासिल हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर इसका सकारात्मक असर देखने के लिए अब किसी दूरबीन की जरूरत नहीं पड़ती।

यही वजह है कि पंजाब-हरियाणा के किसानों का गम और गुस्सा देश के अन्य हिस्सों के किसानों का दिल नहीं छू पाता।

इसके अलावा एक तथ्य यह भी है कि भारत में जो किसान आक्रोश में हैं, उनमें से अधिकांश की जोत (खेती का रकबा) बड़ी है। वे अपेक्षाकृत साधन-संपन्न भी हैं। भारतीय कृषि के बारे में यह दुष्प्रचार भी किया जाता है कि हमारे हालात पश्चिमी मुल्कों के मुकाबले बदतर हैं। आंकड़े गवाह हैं कि यूरोप और अमेरिका में कृषि व कृषि-उत्पादों की विकास दर साढ़े तीन से चार प्रतिशत के आसपास रही है। हमारे यहां की विकास दर भी लगभग इतनी ही है। बात चली है, तो यह बताने में हर्ज नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी 13 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और इस दौरान वहां कृषि की विकास दर 10 फीसदी सालाना से ऊपर रही। यहां आप पूछ सकते हैं कि अगर ऐसा है, तो फिर किसानों में आत्महत्या की घटनाएं साल-दर-साल क्यों बढ़ रही हैं?

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022 में कृषि कर्म से जुड़े 11,290 लोगों ने खुदकुशी कर ली। इनमें से 5,207 किसान और 6,083 खेतिहर मजदूर थे। पिछले साल के मुकाबले इस वर्ष ऐसी मौतों की दर में 3.75 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह आंकड़ा यकीनन दुर्भाग्यजनक है, पर दुर्भाग्य के मारे सिर्फ कृषि से जुड़े लोग नहीं हैं। ब्यूरो ने इसी साल, यानी 2022 में कुलजमा 1,70,921 खुदकुशी के मामले दर्ज किए। इनमें 26 फीसदी दिहाड़ी मजदूर, 14.8 प्रतिशत गृहणियां, 11.4 प्रतिशत स्वरोजगारी, 9.6 फीसदी बेरोजगार, 9.2 प्रतिशत नौकरी-पेशा और 7.6 फीसदी छात्र थे। किसानी से जुड़े लोग सातवें नंबर पर आते हैं।

मैं मानता हूं कि खुदकुशी, खुदकुशी होती है। इसके लिए सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था को दोषी ठहराया जा सकता है। इसे ठीक करने के लिए संसाधन, समय और संयम की आवश्यकता है।

यहां एक और मुद्दे पर चर्चा जरूरी है। अक्सर कहा जाता है कि सन् 1947 में आजादी के वक्त भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र का योगदान पचास फीसदी से अधिक था। 2022-23 में यह 15 प्रतिशत ही रह बचा। इस आंकड़े को खेती-किसानी की दुर्दशा से जोड़कर पेश किया जाता है, जबकि तथ्य यह है कि तेजी से तरक्की करते मुल्कों में उद्योग, व्यापार और सेवा क्षेत्र तेजी से पनपते हैं। ऐसा न होता, तो संसार के सबसे अमीर देश अमेरिका में और यूरोप के सबसे धनी मुल्क जर्मनी की कुल जीडीपी में कृषि की हिस्सेदारी सिर्फ एक फीसदी के आसपास नहीं रहती।

क्या आंदोलनरत किसानों की मांग नाजायज है? यकीनन, ऐसा नहीं है। उनके अपने दुख-दर्द हैं। उन पर नजर डालनी ही चाहिए, मगर जैसा कि ऊपर के आंकड़ों से स्पष्ट है कि अन्य वर्गों को भी सरकारी मदद की उतनी या उससे कुछ ज्यादा जरूरत है, इस तथ्य को भी दरकिनार नहीं किया जा सकता।

दिव्यांगों का ख्याल रखने को दिव्य दृष्टि भी चाहिए

शंकर बाबा पापलकर, सामाजिक कार्यकर्ता

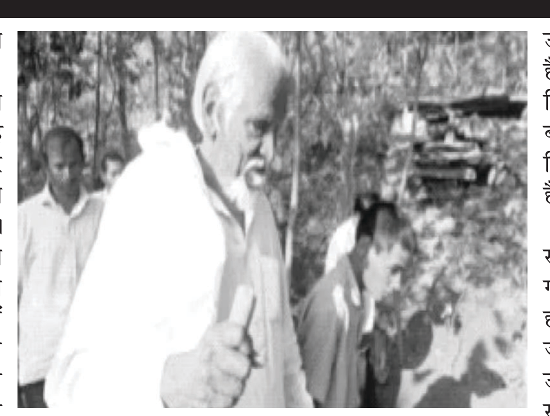

सदियों पहले किसी दार्शनिक ने कहा था, इस दुनिया में दो तरह के लोग हैं। एक वे, जो अंधेरे में बैठे-बैठे उसे बस कोसते रहते हैं और दूसरे वे, जो उठकर दीया जलाने का उद्यम करते हैं। अमरावती (महाराष्ट्र) जिले के वज्जर गांव में रहने वाले 81 वर्षीय शंकर बाबा पुंडलीकराव पापलकर को जब पिछले दिनों पद्मश्री देने की घोषणा हुई, तब एक बार फिर यह दार्शनिक-कथन स्मरण हो आया। पापलकर 'अंबादासपंत वैद्य मतिमंद मूक-बधिर बेवारिस बालगृह' नाम से एक अनाथालय चलाते हैं, जिसमें दिव्यांग बच्चों की परवरिश व देखभाल की जाती है। लगभग सवा सौ बच्चों की क्षमता वाले इस केंद्र में ज्यादातर बच्चियां हैं। पापलकर इन सबके पिता हैं। सामाजिक रूप से ही नहीं, बल्कि वैधानिक रूप से भी।

दरअसल, नौजवान पापलकर 1970 के दशक से ही देवकीनंदन गोपाल नाम से एक मराठी पत्रिका निकाला करते थे। एक 'स्टोरी' के दौरान उन्होंने देखा कि कई सारी मूक-बधिर व दिव्यांग बच्चियों को वेश्यावृत्ति के पेशे में धकेल दिया गया था। उनमें से कई तो शारीरिक रूप से इतनी अक्षम थीं कि वे प्रतिरोध भी नहीं कर सकती थीं। कई बच्चियों को मरने के लिए छोड़ दिया गया था। इस अमानवीय उद्घाटन ने पापलकर को बुरी तरह आहत कर दिया था। उनके मन में बाल-सदन खोलने की योजना का बीज उसी क्षण पड़ गया था। मगर यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी और पापलकर सिर्फ भावुकता में फौरन कोई कदम नहीं उठा सकते थे। लेकिन कुछ ही दिनों के अंतराल पर 1990 में घटी दो घटनाओं ने उन्हें फिर से झकझोरा। इन दोनों मामलों में जैविक माता-पिता ने अपनी दिव्यांग संतानों को लावारिस छोड़ दिया था। पापलकर ने उसी वर्ष ऐसे परित्यक्त बच्चों के लिए एक बालगृह की शुरुआत की। शुरुआत में मुंबई और नासिक पुलिस ने दो दिव्यांग बच्चियां उनके हवाले कीं, पर अगले पांच वर्षों में ही नवजातों की तादाद 123 पहुंच गई। 98 लड़कियां और 25 लड़के। पापलकर ने उसके बाद हाथ जोड़ दिए, क्योंकि 18 साल के बाद भी ये दिव्यांग उनके आश्रम में ही रहने वाले थे।

देश का कानून कहता है कि 18 की उम्र के बाद आश्रितों को अनाथालय छोड़ना होगा, मगर पापलकर उन्हें कैसे छोड़ देते, उन्होंने तो उन सबको अपनी संतान माना है? वह अच्छी तरह जानते थे कि एक बार जिस बच्चे को उसके घरवालों ने त्याग दिया, वह पूरी उम्र लावारिस ही रहता है। ऐसे में, 18 साल के बाद अनाथालयों से निकलने को मजबूर लड़कियां प्राय: दोजख में पहुंच जाती हैं और लड़के सड़क पर भीख मांगते हुए दुनिया के अंधेरे में खो जाते हैं। इसीलिए पापलकर ने 20 लाख रुपये के सरकारी अनुदान को भी ठुकरा दिया, क्योंकि धन लेने पर उन्हें सरकारी नियम मानना पड़ता।

करीब 25 एकड़ भूमि के बीचोबीच बने इस बालगृह के मुखिया के तौर पर पापलकर के ऊपर 123 बच्चों के सुख-सुविधा की महती जिम्मेदारी आ गई थी। ये सभी नवजात के रूप में यहां आए थे और अब सब 18 साल से ऊपर के हो चुके हैं। सोचिए, कितना कठिन रहा होगा इन्हें संभालना! मगर पापलकर ने जिम्मेदारी उठाई, तो एक उदार पिता की तरह इसे निबाहा भी। नतीजतन, जो दृष्टिबाधित या मूक थे, उनमें से कई आज कॉलेज में पढ़ रहे हैं और जो मानसिक रूप से अक्षम हैं, उनको कुछ यूं प्रशिक्षित किया गया है कि वे बालगृह के पेड़-पौधों की सिंचाई कर पाएं। इनके परिश्रम की बदौलत वहां 200 से अधिक किस्म की वनस्पतियां लहलहा रही हैं।

बालगृह की माला ने तो पिछले साल महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग की ग्रुप-बी और सी परीक्षा में उत्तीर्ण होकर एक मिसाल कायम की है। जन्म से ही दृष्टिबाधित माला को उनके माता-पिता ने जलगांव रेलवे स्टेशन पर कचरे के डिब्बे में फेंक दिया था। तब पापलकर ने उन्हें अपनाया और अनाथालय ले आए। अमरावती के प्रतिष्ठित वीएमवी कॉलेज से कला-स्नातक माला ने 2019 से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी थी। उनकी प्रतिभा व प्रतिबद्धता को देखते हुए कॉलेज के कई शिक्षकों ने उनकी आर्थिक मदद की, नतीजतन आज वह समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकी हैं।

पापलकर के बालगृह के अब तक 30 लड़के-लड़कियों की शादी हो चुकी है। कई जोड़े तो माता-पिता भी बन चुके हैं और उनकी संतानें बिल्कुल स्वस्थ हैं। दिसंबर 2020 में इस बालगृह के एक जोड़े की शादी काफी चर्चित रही थी। सूबे के तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख ने यहां की दिव्यांग बच्ची वर्षा को गोद लिया और बड़े धूमधाम से उसका कन्यादान किया था। जिला कलक्टर ने वर (समीर) के पिता की भूमिका निभाई थी। उस विवाह का कर्मकांड तो एक पंडित ने पूरा कराया, पर इस जोड़े को आशीष देने के लिए मौलवी, पादरी, ग्रंथी, जैन गुरु और बौद्ध भिक्षु, सब उपस्थित थे। यही नहीं, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से लेकर नितिन गडकरी समेत महाराष्ट्र के कई मंत्री उस समारोह में शरीक हुए थे।

अंबादासपंत बेवारिस बालगृह का खर्च दानदाताओं के चंदे और पापलकर के व्याख्यानों से मिलने वाली रकम से चलता है। यहां रहने वाले सभी दिव्यांगों की नियमित मेडिकल जांच कराई जाती है। सभी एक-दूसरे के खाने-पीने और दवा की खुराक का पूरा-पूरा ख्याल रखते हैं, क्योंकि वे सब एक दर्द के रिश्ते से बंधे हैं। पापलकर कहते हैं, शारीरिक रूप से पूरी तरह सक्षम कर्मचारी दिव्यांगों की समुचित देखभाल कभी नहीं कर सकते, क्योंकि वे उनकी भावनाओं से उस तरह नहीं जुड़ सकते, जैसे एक दिव्यांग जुड़ता है। इसलिए इनके संरक्षण केंद्रों से हमें तरह-तरह की शिकायतें मिलती हैं।

वयोवृद्ध पापलकर की अब यही इच्छा है कि सरकार अपने कायदे-कानून में संशोधन करे और अपनी अंतिम सांस तक ऐसे बच्चों को आश्रय-गृहों में रहने की सुविधा दे, वरना हम उनके पुनर्वास का दावा कैसे कर सकते हैं?

प्रस्तुति: चंद्रकांत सिंह

जब पढ़ाई ने विवाह से बाल-बाल बचाया

जानकी अम्मल, भारतीय वैज्ञानिक

तब शिक्षा का बहुत बुरा हाल था, देश में 100 में से 98 महिलाओं के लिए काला अक्षर भैंस बराबर था। न जाने कैसे समाज में यह कुविचार किसी मानसिक महामारी की तरह फैला हुआ था कि बेटियां पराया धन होती हैं, एक दिन उन्हें दूसरे घर चले ही जाना है, तो ऐसे धन को भला कोई क्यों ज्यादा चमकाए-बढ़ाए? ज्यादातर माता-पिता न बेटियों से कोई उम्मीद रखते थे और न यह चाहते थे कि बेटियां उनसे कोई उम्मीद रखें, तो कुल मिलाकर कोशिश यही रहती थी कि पराए धन को जल्दी से जल्दी सही ठिकाने पर पहुंचा दिया जाए। वैसे भी बेटियों के साथ भाग्य का रोना तो जबरन नत्थी किया जाता रहा है। अनेक लोग बहुत गर्व से सुनाते हैं कि अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी, आंचल में है दूध, आंखों में पानी।

खैर, केरल की उस लड़की की खुशकिस्मती थी कि उसके सात भाई थे और पांच बहनें। उसने एक-एक बहन को जुदा होते और भाभियों को आते देखा था। हर बार एक ही कहानी दोहराई जाती थी, एक था दूल्हा राजा, एक थी दुल्हन रानी और फिर उनके ढेरों राजकुमार। विवाह होते ही जिंदगी भेड़चाल में घुस जाती थी। भेड़चाल में फंसने से बचने के लिए ही उस लड़की ने मन लगाकर पढ़ाई की। जाति से भी कमतर थी और ऊपर से लड़की, उसकी कौन सुनने वाला था? तब सब यही मानते थे कि शौक है इस लड़की को कुछ किताबों का, पलट लेने दो, आखिर लौटकर गृहस्थी के जहाज पर ही आना है। फिजूल ही विज्ञान पढ़ रही है कि हाइड्रोजन में ऑक्सीजन मिले, तो क्या बनता है, असल में पूरी जिंदगी करना तो यही है न कि चावल-उड़द में कितना पानी मिलाकर अच्छा डोसा बनता है।

खैर, वह पढ़ती चली गईं। उनकी दूसरी बहनें भी पढ़ने में ठीक थीं, पर किसी ने भी परंपरा से अलग चलने की हिम्मत नहीं दिखाई। चुपचाप जहां विवाह हुआ, वहां चल पड़ीं। इधर, देखते-देखते उस तेज युवती ने वनस्पति विज्ञान अर्थात बॉटनी में स्नातक कर लिया और चुपचाप कॉलेज में पढ़ाने लगीं। कुछ न कुछ करके विवाह को टालती रहीं, पर एक मोड़ ऐसा आया, जब विवाह टालना मुश्किल हो गया, विवाह होते ही नौकरी का छूट जाना तय था। आसपास ऐसी कुछ लड़कियां थीं, जिनसे वादे किए गए थे कि विवाह के बाद भी पढ़ाई या नौकरी करने दी जाएगी, पर उन वादों को गृहस्थी के तेज भंवर के हवाले कर दिया गया। न जाने कितनी लड़कियां अपने टूटे सपनों की चुभन और अफसोस के साथ जिंदगी गुजार देती हैं? क्या फिर यही होगा? पहले विवाह और फिर अंधी भेड़चाल।

शायद संयोग ही था, निर्णायक मोड़ आ गया। जब वह मद्रास के महिला क्रिश्चियन कॉलेज में कक्षा ले रही थीं, उन्हें यह सूचना किसी वरदान की तरह मिली कि उन्हें प्रतिष्ठित बारबोर छात्रवृत्ति प्राप्त हुई है और उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका जाना है। तब पढ़ाकू युवती की खुशी का ठिकाना नहीं था। अमेरिका के सबसे शानदार शिक्षा संस्थान मिशिगन यूनिवर्सिटी में वनस्पति विज्ञान की पढ़ाई करनी थी। नौकरी वह कर ही रही थीं, अब छात्रवृत्ति ने और मजबूत कर दिया था। उन्होंने परिवार में एलान कर दिया कि पहले पढ़ाई कर लौट आऊं, बाद में विवाह करूंगी। शिक्षा में इतनी शक्ति थी कि कोई उन्हें रोक न पाया। अब यह इतिहास में दर्ज है कि वह युवा वैज्ञानिक जानकी अम्मन बोटनी में पीएचडी करने वाली पहली भारतीय महिला हैं। उन्होंने अमेरिका में ही बैगन की एक नई किस्म विकसित की, जिसका नाम है जानकी ब्रिंजल। भारत लौटकर उन्होंने गन्ना को ज्यादा मीठा बनाने में जोर लगाया और कामयाब हुईं।

भारत की आजादी के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू ने जानकी अम्मन (1897-1984) को बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया के पुनरोद्धार के लिए लंदन से विशेष रूप से आमंत्रित किया। उन्हें पद्मश्री से नवाजा गया। कभी हार न मानने वाली वह अद्भुत विदुषी प्रयोगशालाओं और वैज्ञानिक संस्थाओं की दफ्तरी राजनीति से दूर जंगलों-बगीचों-खेतों में पेड़-पौधों को परखती घूमती रहती थीं। उत्पादन और गुणवत्ता बढ़ाने में दिन-रात लगी रहती थीं। आज भी कई पौधे और फूल खिलते हैं, जिनके साथ जानकी अम्मन नाम जुड़ा है। ब्रिटेन में भी रॉयल हॉर्टिकल्चर सोयायटी के प्रांगण में मैगनोलिया के विशेष सुंदर श्वेत फूल खिलते हैं, जिन्हें देखकर विदेशी वनस्पति वैज्ञानिक भी कह उठते हैं कि जानकी अम्मन की खूबसूरती तो देखो।

बहरहाल, वह बहुत आगे बढ़ गईं और विवाह की बात बहुत पीछे रह गई। लोग चर्चा करते थे, 'तेरी उम्र हो गई, विवाह न हुआ, तेरा क्या होगा जानकी?' इस पर उन्हें दोटूक जवाब मिलता था, 'दुनिया मुझे मेरे काम से याद रखेगी।'

प्रस्तुति: ज्ञानेश उपाध्याय

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

बालकोनगर के ग्रामीण क्षेत्रों में रह रहे रहवासियों को वनाधिकार पट्टा मिला

कोरबा। बालको नगर के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले कई सालों से रहने वाले लोगों को सरकार के द्वारा वन भूमि का अधिकार पत्र दिया गया है। इस जमीन को खेती के लायक बनाने के लिए काम किया जा रहा है। बालको नगर के आसपास ऐसे कुछ मामलों में लोगों ने डिप्टी रेंजर पर रुपए मांगने का आरोप लगाया है। इस मामले के लिखित शिकायत कलेक्टर से की गई है। शुक्रवार को सराईपाली गांव के रहने वाले लोग अपनी शिकायत को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। जिला कार्यालय पहुंचे लोग बालको नगर वन परिक्षेत्र के नजदीकी गांव के रहने वाले हैं। इन लोगों की शिकायत है कि सरकार ने इन्हें वन अधिकार पत्र तो दे दिया है लेकिन अब वह अपनी ही जमीन को खेती किसानी करने लायक बनाने के चक्कर में अवैध वसूली का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क के नजदीक उनकी जमीन है। राजस्व का दायरा भी यहां से लगा हुआ है और इसी की आड़ लेकर वन विभाग के डिप्टी रेंजर और बीट गार्ड रुपए की मांग कर रहे है। बताया गया कि इलाके में ईंट-भट्टी से लेकर कई प्रकार के अवैध काम चल रहे हैं। इन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। और सब उच्च अधिकारियों के सांठगांठ से चलती है।ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने इस मामले में काफी परेशानी होने की जानकारी प्रशासन के अधिकारियों के साथ-साथ मीडिया को दी है। ग्रामीणों की मांग है कि अवैध रूप से उगाही करने वाले वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल ने अंतरक्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया

कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी अन्तरक्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता का श्रम कल्याण केंद्र कोरबा पूर्व के मैदान में आज दोनों सेमीफ़ाइनल और फाइनल का खेल संपन्न हुआ। पहले सेमीफ़ाइनल में पहला कोरबा पश्चिम विरुद्ध मड़वा के मध्य हुआ जिसमें कोरबा पश्चिम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एकतरफ़ा 41 -11 के अंतर से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमीफ़ाइनल कोरबा पूर्व एवं बिलासपुर के मध्य हुआ इस खेल में बिलासपुर ने कलात्मक खेल का प्रदर्शन कर 26 अंक (31-05)से मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल का मैच प्रथमार्ध में टेक्निकल खेल का प्रदर्शन किया और स्मध्यांतर तक स्कोर में बिलासपुर की टीम 3-1 से आगे थी। मध्यांतर के बाद कोरबा पश्चिम ने खेल रणनीति में परिवर्तन किया सुर जहाँ बिलासपुर 7 अंक से आगे थी कोरबा पश्चिम के खिलाड़ी अनुज ने सुपर रेड करते हुए खेल में अपने टीम की ज़बरदस्त वापसी की। आखिर में पूर्व विजेता कोरबा पश्चिम ने अंतिम मिनट में ज़बरदस्त उतार चढ़ाव भरे मैच को मात्र 1 अंक (13-12) से जीतकर पुनः छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी अन्तरक्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता की विजेता बनी। दर्शकों ने एक उत्कृष्ट दर्जे के खेल का आनन्द लिया सुर- संगीत से खिलाड़ियों को भरपूर प्रोत्साहित किया। मुख्य अथिति आशीष श्रीवास्तव (मुख्य अभियंता)ने पुरस्कार समारोह में खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया दोनों टीमो को बधाई दी सभी टीमों को अच्छे खेल का प्रदर्शन कर पुनः हौसला अर्जित करते हुए मंज़िल प्राप्त करें। समिति के सदस्यों प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जिन्होंने भी सहयोग दिया है सभी को खेल के सभी क्षेत्र में हाथ बटाने हेतु सभी खिलाड़ी दर्शकों को तहे दिल से धन्यवाद दिया।

सिरपुर महोत्सव 24 से 26 फरवरी तक, इंडियन आइडल फेम और लेजर शो होगा मुख्य आकर्षण

कलेक्टर प्रभात मलिक ने सिरपुर पहुंच कर लिया तैयारियों का जायजा, पहली बार होगा महानदी आरती का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पुरातात्विक नगरी सिरपुर में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव की तैयारियां जोरो पर है। कलेक्टर प्रभात मलिक ने इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए हैं। जिला पंचायत सीईओ को नोडल अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी श्री उमेश साहू सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा अन्य संबंधित अधिकारियो को सफल आयोजन के लिए दायित्व सौपे गए हैं।

कलेक्टर प्रभात मलिक आज शाम सिरपुर स्थल पहुँच कर सिरपुर महोत्सव के आयोजन के लिए की जा रही तैयारियों का पुनः जायजा लिया। उन्होंने सिरपुर अंतर्गत विभिन्न स्थलों का मुआयना करते हुए सुव्यवस्थित आयोजन के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर मलिक ने तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव में साफ-सफाई, पार्किंग, शौचालय, पेयजल आदि की चाक चौबंध व्यवस्था के लिए की जा रही तैयारी का जायजा लिया।

उन्होंने मुख्य मंच तक पहुंचने के लिए पर्याप्त जगह छोड़ने तथा व्यवस्थित बाजार व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने महोत्सव के दौरान सिरपुर सहित स्थानीय व्यवसायियों को दुकान आबंटन के लिए प्राथमिकता दी जाएगी।

इस महोत्सव में स्थानीय एवं छत्तीसगढ़ी स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की छटा बिखरेगी। इसके लिए प्रदेश के ख्याति प्राप्त लोक कला मंचों से सम्पर्क किया जा रहा है। राज्य के ख्यातिनाम कलाकारों में सुप्रसिद्ध गायिका आरू साहू, प्रख्यात गायक सुनील सोनी सहित अन्य कलाकारों से संपर्क किया जा रहा है।

वहीं इंडियन आइडल फेम अभिजीत सांवत द्वारा भी प्रतुति देने की संभावना है। इसके अलावा सांस्कृतिक और ऐतिहासिक नगरी सिरपुर के पुरातात्विक इतिहास को लेजर शो के माध्यम से दिखाने की तैयारी चल रही है। महोत्सव के दौरान पहली बार महानदी आरती आयोजन किया जाएगा, इसके लिए भी तैयारी निर्देश दिए गए हैं। विभिन स्थलों में स्वागत गेट भी लगाया जाएगा। मंदिरों में आकर्षक लाइटिंग की जायेगी। कलेक्टर ने महोत्सव स्थल में स्थाई रूप से बाजार शेड और अन्य विकास कार्यों के लिए भी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है की प्रतिदिन शाम 4 से 6 बजे तक स्थानीय लोक कलाकारों को अवसर दिया जाएगा। कलेक्टर मलिक ने विभिन्न स्थलों का जायजा लेते हुए कहा कि इस बार श्रद्धालुओं के स्नान के लिए कुंड भी बनाया जाएगा। उन्हेंने सड़कों में लगे स्ट्रीट लाईट में लाईटिंग करने के निर्देश दिए हैं। महोत्सव परिसर के अंतर्गत सड़कों का मरम्मत करने कहा गया। इस मौके पर एसडीएम महासमुंद उमेश साहू, लोकनिर्माण के ईई श्री चंद्राकर, आर ई एस,सहित तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैगा परिवारों का पक्का मकान का सपना हो रहा साकार

प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति परिवारों के लिए पक्का मकान बनना शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विशेष पिछड़ी जनजातियों को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने शुरू की गई प्रधानमंत्री जनमन योजना का छत्तीसगढ़ में तेजी से क्रियान्वयन हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में कबीरधाम जिले में इस योजना के तहत बैगा परिवारों के लिए 3 हजार 554 आवासों की स्वीकृति दी गई है, इनमें से 2 हजार 996 पक्के आवास निर्माण के लिए प्रथम किस्त के रूप में 11 करोड़ 98 लाख रूपए जारी कर दी गयी है। कबीरधाम जिले के विकासखण्ड बोड़ला में 179 और पंडरिया के 77 गांवों में बैगा परिवारों की बाहुलता है। इन परिवारों के लिए बोड़ला विकासखण्ड में 2081 और पंडरिया विकासखण्ड में 1474 आवासों की स्वीकृति दी गई है। बैगा परिवारों को प्रथम चरण में 2996 आवासों आवास निर्माण के लिए पहली किस्त के रूप में 40-40 हजार रूपए की राशि जारी की गई है। इसके अलावा योजना में इन गांवों में बुनियादी सुविधाएं बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। जिससे विशेष पिछड़ी जनजाति के सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार आएगा। योजना के तहत कबीरधाम जिले में पक्का मकान बनाने वाले श्री अंतराम बैगा को बीते दिनों श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। श्री अंतराम बैगा विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति परिवार से है। वह ऐसे पहले हितग्राही है, जिन्होंने पक्का आवास बनाने का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि पक्का मकान बनाने के लिए दस कॉलम खड़े कर लिए है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत बैगा परिवारों को आवास निर्माण के लिए 2 लाख रूपए की राशि 4 किस्तों में दी जाएगी। पहली किस्त आवास शुरू करने के लिए 40 हजार रूपए, दूसरी किस्त लेंटर स्तर पर होने पर 60 हजार रूपए, तीसरी किस्त रूफ टॉप के निर्माण पर 80 हजार रूपए और आवास पूरा होने पर 20 हजार रूपए दी जाएगी। इसके अलावा महात्मागांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत 95 दिनों का मजदूरी का भुगतान किया जाएगा।

दूरस्थ अंचल के बसाहटों तक पहुंची शुद्ध पेयजल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ एवं पहुंच विहीन दुर्गम स्थानों में स्थित ग्रामों में अब लोगों को पीने के लिए शुद्ध पेयजल मिल रहा है। केन्द्र सरकार के जल जीवन मिशन से अब ग्रामीणों को अन्य स्त्रोतों का पानी नहीं पीना पड़ता। शुद्ध पेयजल मिलने से ग्रामीण खुश है।

नारायणपुर जिले के विभिन्न ग्रामों तक जल जीवन मिशन के तहत् दूरस्थ अंचल के बसाहटों तक पहुंची शुद्ध पेयजल पहुंच रही है। नारायणपुर जिले के पहुंच विहीन ग्रामों तक टेपनल के माध्यम से ग्रामीणों को घर-घर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसमें अधिकांश गांव घने जंगल, पहाड़, नदी, नालों, दुर्गम रास्तौं से घिरे हुए हैं। ऐसे में जल जीवन मिशन के तहत् सभी बसाहटों में पेयजल उपलब्ध कराने का कार्य राज्य शासन द्वारा प्राथमिकता से किया जा रहा है। हर घर नल-जल योजना से प्रत्येक ग्रामीण परिवारो को 24 घंटे शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। जल जीवन मिशन के तहत 439 घरों में नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेयजल दिया जा रहा है। पहले लोगों को हैंण्डपंप से पानी भरने में समस्या होती थी, वहीं बारिश के समय हैंण्डपंप से मटमैला पानी प्राप्त होता था। गर्मी के मौसम में भू-जल स्तर कम हो जाने के कारण लोगों को हैण्डपंप से पानी निकालने में कठिनाई होती थी। जल जीवन मिशन के तहत् पानी टंकी निर्माण होने से हर मौसम में ग्रामीणों को शुद्ध स्वच्छ पेयजल मिल रहा है।

कलेक्टर ने एक्सटेंशन रिफॉर्म्स आत्मा योजनांतर्गत आत्मा प्रबंधन कमेटी की ली बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव । कलेक्टर संजय अग्रवाल ने एक्सटेंशन रिफॉर्म्स आत्मा योजनांतर्गत आत्मा प्रबंधन कमेटी बैठक ली। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2023-24 के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा आगामी वित्तीय वर्ष 2024-25 की कार्ययोजना के संबंध में जानकारी ली।

कलेक्टर अग्रवाल ने ग्राम स्तर पर किसानों से चर्चा कर कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्यपालन, रेशमपालन से संबंधित प्रशिक्षण प्रदर्शन, शैक्षणिक भ्रमण एवं कृषक समूह निर्माण गतिविधियों के साथ आवश्यक रोजगार मूलक कार्यों को सम्मिलित करते हुये कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिये। कलेक्टर अग्रवाल ने शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण से लाभान्वित किसानों का प्रशिक्षण विषयवार डाटाबेस तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण एवं प्रशिक्षण उपरांत किसानों के जीवन स्तर एवं कृषि प्रणाली में हुये सकारात्मक परिवर्तन का प्रचार-प्रसार अन्य कृषकों तक किया जा सके। जिससे अन्य किसान भी सफल किसानों की भांति लाभ प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक भ्रमण और प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात अपने क्षेत्र के अन्य किसानों को नई तकनीक और आधुनिक खेती-किसानी के प्रति जागरूक किया हो, ऐसे विकासखंड स्तर के 5 उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित किया जाए।

कलेक्टर अग्रवाल ने शहर में मॉर्डन आईस्क्रीम पार्लर खोलने के लिए स्थान चिन्हांकित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके साथ कोदो-रागी की इडली, चीला, अंबाड़ी जूस, बेल जूस एवं जैविक सब्जी-फल, दूध का भी विक्रय किया जाएगा। उन्होंने उद्यानिकी विभाग के अंतर्गत स्ट्रॉबेरी की खेती कट फ्लावर आदि की खेती की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने मत्स्य विभाग को मांगुर मछली, प्रॉन कल्चर को वार्षिक कार्ययोजना में सम्मिलित करने के निर्देश दिए। बैठक में उप संचालक कृषि नागेश्वर लाल पाण्डे, उप आयुक्त सहकारिता शिल्पा अग्रवाल, सहायक संचालक उद्यानिकी राजेश शर्मा, वेटनरी असिस्टेंट सर्जन डॉ. ममता मेश्राम, फिशरीज इंसपेक्टर वर्तिका ठाकुर, प्रोजेक्ट असिस्टेंट कृषि विज्ञान केन्द्र जितेन्द्र मेश्राम उपस्थित थे।

शासकीय पीजी महाविद्यालय में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। शासकीय पीजी महाविद्यालय में शनिवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ वार्षिक स्नेह सम्मेलन और पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। वार्षिकोत्सव में पहुंचे मुख्य अतिथि कोरबा जिला कलेक्टर अजित वसंत ने छात्रों से संवाद किया। उन्होंने करियर और परीक्षाओं से संबंधित सवाल किए, जिनका छात्रों ने बखूबी उत्तर दिया और अपनी जिज्ञासा दूर की।

कलेक्टर को अपने बीच पाकर महाविद्यालय के छात्र भी काफी उत्साहित थे। कलेक्टर ने भी सहजता से छात्रों से बातचीत कर भविष्य में आने वाली चुनौतियों के संबंध में उनका मार्गदर्शन किया। कलेक्टर ने छात्रों को आईएएस बनने के लिए किस तरह की तैयारी करनी है, इससे जुड़े उपयोगी अहम् जानकारी छात्रों के साथ साझा की।

पीजी महाविद्यालय द्वारा प्रत्येक वर्ष तीन दिनों का वार्षिक उत्सव मनाया जाता है। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता भी सम्मिलित होती है। तीसरे और अंतिम दिन वार्षिक स्नेह सम्मेलन और पुरस्कार वितरण का दिन था।

कार्यक्रम में राउत नाचा, गुजराती नृत्य के साथ ही देश के अलग-अलग सभ्यता से जुड़े नृत्य और गीत की खूबसूरत प्रस्तुति छात्रों ने दी। कार्यक्रम में पूरे साल भर के दौरान सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले बच्चे हो या फिर एनसीसी, एनएसएस और खेल प्रतियोगिता, संस्कृत प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में पहुंचे विशिष्ट अतिथि मुख्य प्रचालन प्रबंधक (ढ्ढह्रस्रकोरबा) के. सुरेश बाबू ने इस अवसर पर कहा की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 12ह्लद्ध फेल सभी छात्रों को देखनी चाहिए, उन्होंने प्राचार्य से अनुरोध किया के छात्रों के लिए इस फिल्म के स्पेशल स्क्रीनिंग जरूर करवाए। के. सुरेश ने आगे कहा कि पीजी महाविद्यालय से उनका खास लगाव रहा है इसलिए यहां आकर वह काफी अच्छा महसूस करते हैं। श्री बाबू ने आगे कहा किछात्रों को सूचना क्रांति के युग में व्हाट्सएप, युटुब जैसे प्लेटफार्म का बेहद सावधानी से उपयोग करना चाहिए, इससे वह अपने ज्ञान बढ़ाने के लिए उपयोग करें, इसका दुरुपयोग बिल्कुल ना करें, बच्चों को अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का भी अवश्य ध्यान रखना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्राचार्य डॉ. साधना खरे ने महाविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि 1981 में पीजी महाविद्यालय का सफर शुरू हुआ था। तब यहां मात्र 47 बच्चे अध्ययनरत थे। आज इस महाविद्यालय में 3000 से भी अधिक छात्र अध्ययनरत हैं। यह जिले का अग्रणी महाविद्यालय है। पीजी महाविद्यालय का निरंतर विकास हुआ है।

सन 2012 में महान इंजीनियर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के नाम पर महाविद्यालय का नामकरण हुआ। वर्तमान में कॉलेज में 16 विषय में पीजी कोर्स उपलब्ध हैं। महाविद्यालय में इग्नू, पंडित सुंदरलाल शर्मा का अध्ययन केंद्र है। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कोर्स भी महाविद्यालय में संचालित हैं। एनसीसी, एनएसएस की गतिविधियां हो या फिर अन्य आयोजन महाविद्यालय के छात्र सभी में बढ़-कर कर हिस्सा लेते हैं। फतेगंज में आयोजित एनएसएस शिविर में छात्रों ने स्कूल की बाउंड्री वॉल का निर्माण किया। एनसीसी के छात्र ने दिल्ली में आयोजित 26 जनवरी के आरडीसी परेड में भाग लिया था। महाविद्यालय में सर्व सुविधा संपन्न लाइब्रेरी के साथ ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए स्मार्ट क्लास की सुविधा भी उपलब्ध है। महाविद्यालय में पीएससी व व्यापम सहित विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

न्योता भोज का शुभारंभ रायपुर से, कलेक्टर ने अपने हाथों से बच्चों को भोजन परोस मनाया अपना जन्मदिन

- बच्चे खिल उठे, कहा थैंक्यू पीएम सर, थैंक्य सीएम सर और थैंक्य कलेक्टर सर
- सोहर गीत गाकर साहू ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं
- कलेक्टर ने किया आग्रह आम नागरिक भी मनाएं स्कूली बच्चों के साथ जन्मदिन, करेंगे सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हमारे संस्कृत सुभाषित वाक्यों में शुभस्य शीघ्रम की बात कही जाती है अर्थात शुभ कार्य में शीघ्रता की जानी चाहिए। कल ही मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने न्योता भोजन के लिए दिशा निर्देश जारी किए थे कि अपने जन्मदिन पर स्कूली बच्चों के साथ समय बिताएं। उनके साथ भोजन करें। इस शुभ कार्य के लिए शीघ्रता से पहल करते हुए कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने अपने जन्मदिन के अवसर पर शासकीय नवीन प्राथमिक शाला धरमपुरा के स्कूली बच्चों को न्योता भोज दिया।

डॉ. गौरव सिंह सपरिवार स्कूल पहुंचे सबसे पहले सरस्वती माता का वंदन किया। उसके बाद वे बच्चों के बीच पहुंचे और उन्हे पंगत में बैठाया और एक-एक करके थाली लगाई। उसके बाद पूडी, सब्जी, दाल, चावल और खीर परोसा, यहीं नही वे बच्चों के पास जाते रहे और उनकी पसंद पूछकर व्यंजन को फिर से परोसा और अंत में बच्चों को केक खिलाया। उनके साथ एसपी संतोष सिंह, डीएफओ विश्वेश्वर राय, नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा और जिला पंचायत के सीईओ विश्वदीप ने भी भोजन परोसा। साथ ही कलेक्टर ने इन स्कूली बच्चों के बीच बैठ पत्नी डॉ सुनिता सिंह और दोनो बच्चे आद्या सिंह और अक्षरा सिंह के साथ भोजन किया।

भोजन करते समय बच्चों के चेहरे पर खुशियां झलक रही थी, वे खिल उठे और प्यार से कलेक्टर के पास जाकर उपहार स्वरूप पुष्प दिया। यहीं नही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल और कलेक्टर को थैंक यू कहा। साथ ही उन्होंने उत्साहित होकर कलेक्टर बनने की भी इच्छा जाहिर की।

इस खुशी के क्षण में बूंदा बाई साहू ने सोहर गीत गाकर कलेक्टर को जन्मदिन की बधाई दी। श्रीमती साहू सरस्वती महिला समूह की अध्यक्ष है वह जब से मध्याह्न भोजन योजना शुरू हुई है तब से स्कूल में भोजन आपूर्ति कर रही है।

कलेक्टर ने अधिकारीगण और आम नागरिकों से आग्रह करते हुए कहा कि वे अपने जीवन के महत्वपूर्ण दिन क्षण इत्यादि को स्कूल के बच्चों के साथ मनाएं। उन्हें इसी प्रकार से न्योता भोज दें। उन्हें इस प्रकार का भोजन करा सकते है या उनके भोजन में पौष्टिक भोज्य पदार्थ शामिल कर सकते है। यदि कोई इच्छुक हो तो हमसे संपर्क करें हम हर महीने में उनका पंजीयन कर एक सिस्टम बना देंगे, उन्हें बच्चों के साथ अपनी खुशी बाटने का मौका मिलेगा और हम उन्हें सम्मानित भी करेंगे।

यह प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर यह आयोजन किया गया। सामुदायिक सहयोग से स्कूली बच्चों के खानपान में पोषण आहार की मात्रा बढ़ाने न्यौता भोजन की अभिनव पहल की जा रही है।

खास खबर...

छत्तीसगढ़ में खुलेगा संस्कृत विश्वविद्यालय: सदन में मंत्री बृजमोहन की घोषणा

रायपुर। विष्णुदेव सरकार छत्तीसगढ़ में संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना करेगी। विधानसभा में शुक्रवार को उच्च शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने यह घोषणा की। अग्रवाल ने यह घोषणा आज भाजपा विधायक अजय चंद्राकर के अशासकीय संकल्प पर चर्चा के दौरान की। भाजपा विधायक चंद्राकर ने बताया कि छत्तीसगढ़ में संस्कृति, संस्कृत के वेद साहित्य और भी जो तुलनात्मक धर्म दर्शन के विषय हैं उनको समाहित करते हुए छत्तीसगढ़ का पहला संस्कृत विश्वविद्यालय बनाने की आज सदन में घोषणा की गई।इस विश्वविद्यालय के अस्तित्व में आने से सनातन धर्म की जानकारी लोगों तक पहुंचेगी। सनातन के अध्ययन को एक नई दिशा मिलेगी। सनातन को आगे बढ़ाने की दिशा के लिए मेरे द्वारा लाया गया अशासकीय संकल्प सर्वसम्मति से पारित करने के इस निर्णय के लिए सदन के सभी सदस्यों मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री का मैं आभार व्यक्त करता हूं।

भारत गौरव से सम्मानित हुई समाजसेवी स्मिता सिंह

रायपुर। शकुंतला फाउंडेशन छत्तीसगढ़ की संस्थापिका स्मिता सिंह को उनके द्वारा किए जा रहे बाल हदयरोगी मरीजों के लिए उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिए नई दिल्ली के कंन्सटीयुशन क्लब आफ इंडिया सभागार में सांसद बृजमोहन द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डाक्टर पुष्पेन्द्र पुष्पेन्द्र सिंह (लाजिस्टिक्स इंडस्ट्री) व नेशनल हयूमन वेलफेयर कांउसिल के संयोजक गुंजन मेहता व तरुण निहाल के द्वारा आयोजित किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि झारखंड सांसद बृजमोहन, उद्योगपति बोधराज सीकरी, संत त्रिलोकी, प्रख्यात रंगकर्मी राहुल गुज्जर, प्रख्यात फिल्म अभिनेता व टेलीविजन अदाकार अखिलेंद्र मिश्रा आदि के आतिथ्य में संपन्न हुआ। आयोजन में भारत के विभिन्न क्षेत्रों से सराहनीय सामाजिक कार्य करने वाले समाजसेवियों का सम्मान किया गया।

61 लाख 28 हजार राशन कार्डधारियों ने किया नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन

25 फरवरी तक नवीनीकरण कार्य किए जाएंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत वर्तमान में प्रचलित सभी 77 लाख राशनकार्डों के नवीनीकरण का कार्य 25 जनवरी से जारी है। 17 फरवरी की स्थिति में 61 लाख 28 हजार 959 राशन कार्डधारियों ने नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग द्वारा दी गई, ऑनलाइन सुविधा का लोग भरपूर लाभ उठा रहे हैं और स्वयं अपने मोबाइल से खाद्य विभाग के एप के जरिये राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं।

गौरतलब है कि राशनकार्ड नवीनीकरण का कार्य 25 फरवरी 2024 तक किया जा रहा है। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राशनकार्ड नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग के द्वारा खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का नया मोबाईल एप्प तैयार किया गया है, इसे प्ले स्टोर में जाकर डाउनलोड किया जा सकता है। हितग्राही द्वारा खाद्य विभाग की वेबसाइट http://khadya.cg.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। राशनकार्डधारी अपने मोबाईल में इस एप्प के जरिए नवीनीकरण के लिए इलेक्ट्रानिक आवेदन ऑनलाईन प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे हितग्राही जिनके पास एन्ड्राईड मोबाईल नहीं है अथवा जहां पर मोबाईल कनेक्टिविटी नहीं है वहां उचित मूल्य दुकान स्तर पर ऑनलाईन प्रक्रिया के जरिए राशनकार्डों के नवीनीकरण हेतु इलेक्ट्रानिक आवेदन प्रस्तुत करने की सुविधा भी दी जा रही है।

सड़क सुरक्षा संबंधी जन जागरुकता कार्यक्रमों का हो आयोजन: मुख्य सचिव जैन

- प्रत्येक माह जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन द्वारा चिप्स कार्यालय रायपुर से समस्त संभागायुक्त एवं कलेक्टर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ली गई। बैठक में मुख्य सचिव द्वारा जिलों से शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा उपरान्त आगामी कार्यवाही के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव जैन द्वारा इसी क्रम में जिलों को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक प्रतिमाह अनिवार्यत: आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलों में प्रतिमाह सड़क सुरक्षा को लेकर जन जागरुकता संबंधी कार्यक्रम भी आयोजित करने के लिए निर्देशित किया। इनमें सुगम यातायात संबंधी अलग-अलग विषयों जैसे- गुड सेमीरेटन, हेलमेट, सीटबेल्ट की अनिवार्यता ड्रंक एण्ड ड्राइव इत्यादि विषयों पर समुदाय के बीच उनकी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए कार्यक्रम आयोजित करने के लिए निर्देश दिए। मुख्य सचिव जैन ने समीक्षा के दौरान राज्य में अतिरिक्त जेलों की आवश्यकता का आंकलन कर मौजूदा जेलों की क्षमता के विस्तार एवं नवीन जेलों की स्थापना के लिए भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता की समीक्षा भी की गई।

उक्त वर्चुअल बैठक में सचिव गण सर्वश्री एस. प्रकाश, शम्मी आबिदी, एन एन एक्का, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यातायात प्रदीप गुप्ता एवं अध्यक्ष अंतर्विभागीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा) संजय शर्मा के अलावा समस्त संभागायुक्त, सभी जिला कलेक्टर्स एवं विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन, 72 आवेदनों का स्थल में हुआ निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिस मूलनिवास प्रमाण पत्र, नामांतरण, ऋण पुस्तिका के लिए हफ्ते भर का समय लगता है, लेकिन आज वह घण्टे भर में बन गए और हितग्राहियों को हाथों में तत्काल मिल गए। यह नजारा था कलेक्टोरेट परिसर का। जहां आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इसके पूर्व में तहसील एवं राजस्व मंडंल स्तर पर भी शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर में संभागायुक्त डॉ संजय अलंग और कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने आम नागरिकों से रूबरू होकर समस्याएं सुनी। कुछ समस्याओं का मौके पर निराकरण हुआ। कुछ के लिए समय सीमा निश्चित कर समाधान करने की कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए।

शिविर में आवेदको द्वारा नामांतरण के संबंध में 31 आवेदन प्राप्त हुये थे जिसमें स्थल पर 22 आवेदनों का निराकरण किया गया, शेष प्रक्रियाधीन है। खाता विभाजन के कुल 02 आवेदन प्राप्त हुये थे जिसमें प्रकरण दर्ज किया गया। सीमांकन के 05 आवेदन में से 03 आवेदनों का निराकरण स्थल पर किया गया, शेष प्रक्रियाधीन है। किसान-किताब के 08 आवेदन प्राप्त हुये सभी आवेदनो का निराकरण स्थल पर किया गया। जाति/आय/निवास प्रमाण पत्र के 19 आवेदन प्राप्त हुये सभी आवेदनो का निराकरण स्थल पर किया गया। राजस्व संबंधी अन्य आवेदनो की कुल 48 आवेदनों में 18 आवेदन का निराकरण स्थल पर किया गया शेष प्रक्रियाधीन है। इस प्रकार कुल 125 आवेदनो में से 72 आवेदनो का स्थल में निराकरण किया गया शेष आवेदनों को शीघ्र निराकरण किये जाने हेतु संबंधित अधिकारियों का निर्देशित किया गया।

शिविर में सभी तहसीलों के राजस्व अमला मौजूद था। कलेक्टर सभी तहसीलों के टेबल पर गए उनके आवेदन की स्थिति जानी और आवेदकों से भी बात की। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने राजस्व अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिकों से संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करें। जो समस्या जल्द निराकृत हो सकती है। उसका समाधान करें, जो समय सीमा के भीतर अवश्य करें। उन्होंने कहा कि वे स्वयं तहसीलवार मौके पर जाकर समीक्षा करेंगे और लंबित राजस्व प्रकरण की जमीनी हकीकत की जानकारी लेंगे।

शिविर में आए चंगोराभाठा निवासी कृष्ण कुमार चौधरी ने बताया कि 1992 में पिता जी ने पांच लोगो के साथ मिलकर बच्चों के भविष्य के लिए 15 हजार स्क्वेयर फिट भूमि खरीदी थी। जिसका सीमांकन के आवेदन लगातार उनके द्वारा जब वो जीवित थे और उनके देहांत के पश्चात हम लगातार लगाते रहे। 15 सालों से। हर बार नाप-जोख किया जाता था। लेकिन प्रक्रिया पूरी नही होती थी। शिविर में कलेक्टर डॉ सिंह के पास मैने आवेदन देकर अपनी समस्या बताई। कलेक्टर डॉ सिंह ने अधिकारियों को प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए और कहा कि सप्ताह भर के भीतर सीमांकन बाटांकन हो जाएगा।

ईश्वर का घंटे भर के भीतर हुआ ऋण पुस्तिका का नवीनीकरण

ग्राम तेंदुआ निवासी ईश्वर प्रसाद साहू ने बताया कि मुझे पटवारी और कोटवार से शिविर की जानकारी मिली। शिविर में पहुंच कर ऋण पुस्तिका नवीनीकरण आवेदन दिया। घंटे भर के भीतर ही मुक्षे प्राप्त हो गया। उन्होंने कलेक्टर डॉ सिंह को धन्यवाद दिया।

अनुज और रामचरण के भूमि का तत्काल हुआ नामांतरण

शिविर में रायपुर तहसील के ग्राम कांदुल निवासी अनुज चन्द्राकर और रामचरण ने भूमि नामांतरण के लिए आवेदन दिया। जिसके कुछ समय भीतर ही उन्हें प्रक्रिया पूरी कर कागजात प्रदान कर दिए गए।

शिविर में पंडरी के काली नगर निवासी अमन मिश्रा आए और उन्होंने स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र बनाने आवेदन दिया। कलेक्टर के निर्देश पर कुछ समय के भीतर प्रक्रिया पूर्ण कर प्रमाण पत्र दे दिया गया। उन्होंने कलेक्टर को इसके लिए धन्यवाद दिया।

आरिफ मोहम्मद को मिला ऋण पुस्तिका और अब्दुल के समस्या का हुआ समाधान

रवि नगर रायपुर निवासी आरिफ मोहम्मद ने बताया कि वे पूर्व में भूमि नामांतरण कर ऋण पुस्तिका प्रदान नही किया गया था। आज शिविर में पहुंच मैने कलेक्टर को अपनी समस्या बताई। उन्होंने तत्काल निर्देशित कर प्रक्रिया पूर्ण कर ऋण पुस्तिका उपलब्ध कराया।

मठपुरेना निवासी अब्दुल बहार अंसारी ने बताया कि उन्होंने करीब एक हजार वर्गफुट जमीन क्रय की थी। जिसका नामांतरण पूर्व में करा लिया था। विक्रेता के द्वारा भूमि का आवासीय परिवर्तन कराकर विक्रय किया गया परंतु उनके बी-1 खाते में कृषि का उल्लेख था। उनके आवेदन देने पर तत्काल उनके समस्या का समाधान हो गया।

आरबीसी 6-4 के तहत 10 हितग्राहियों को सहायता राशि दी गई

शिविर में कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने प्राकृतिक आपदा से मृत व्यक्तियों के परिजनों को आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की। इनमें गजानंद साहू सांप काटने के कारण, गौरी तांडी तालाब में डूबने, रोमनाथ रात्रे तालाब में डूबने, अशवंतीन के खारून में डूबने, मनीष शर्मा नदी में डूबने, फिरंता यादव को सांप के काटने, राधा ठाकुर आकाशीय बिजली के गिरने, गीता यादव तालाब में डूबने, कुंती लहरे तालाब में डूबने और राखी साहु खारून नदी के पानी में डूबने के कारण मृत्यु हो गई। इन सभी मृतकों के परिजनों को प्रति हितग्राही 4 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द से निजात के लिए ये 5 आदतें बदलें

महिलाओं को हर महीने आने वाले पीरियड्स अपने साथ शारीरिक परेशानियां लेकर आते हैं। इस दौरान सबसे बड़ी दिक्कत होती है पेट में होने वाला दर्द। इस दर्द को पीरियड क्रैंप कहते हैं। दरअसल, पीरियड्स के दौरान गर्भाशय की मांसपेशियों में सिकुड़न होती है, जिस वजह से दर्द उठता है। इस स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से निपटने के लिए आपको अपनी रोजाना की कुछ आदतों को बदलना होगा। आइए ये आदतें और इन्हें बदलने की टिप्स जानते हैं।

पर्याप्त मात्रा में पानी न पीना

खुद को हाइड्रेटेड रखने से आपको पीरियड्स में होने वाले दर्द से राहत मिल सकती है। डॉक्टरों के अनुसार रोजाना 8 गिलास पानी पीना सेहत के लिए अनिवार्य होता है।पीरियड्स के मुश्किल दिनों में पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से पेट की सूजन भी कम होती है और साथ ही दर्द से राहत मिलती है। हालांकि, हाइड्रेटेड रहने के लिए सोडा या कोल्ड ड्रिंक न पीयें। ये आपके दर्द को बढ़ा सकते हैं।

शारीरिक गतिविधियां न करना

पीरियड्स के दौरान शारीरिक गतिविधियां करना कभी न भूलें। यह बात सभी जानते हैं कि ऐसे जटिल दर्द में शरीर को हिलाना एक मुश्किल काम होता है, लेकिन दर्द से राहत पाने के लिए ये बेहद जरूरी है। पीरियड्स के वक्त शारीरिक एक्सरसाइज करना सुनिश्चित करें। आप इस दौरान सैर पर जा सकती हैं। इसके अलावा आप स्ट्रेचिंग या डांस करके भी खुद को एक्टिव रख सकती हैं।

कई महिलाऐं पीरियड्स के समय अपनी डाइट से ज्यादा खा लेती हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पीरियड्स के दौरान ज्यादा भूख लगती है। इसके चलते अक्सर महिलाएं जंक फूड या स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह खाने का सेवन करने लगती हैं। इस वक्त जरूरी होता है अपने शरीर में पौष्टिक और स्वास्थ्य लाभों से युक्त खाना पहुंचना। आप पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम और विटामिन- डी से लैस खान-पान का चुनाव करें। हो सके तो फल, ताजी सब्जियां और ड्राई फ्रूट्स खाएं।

ठंडे पानी से नहाना

पीरियड्स के दौरान ठंडे पानी से नहाने की गलती कभी न करें। पीरियड्स के वक्त आपको अपने शरीर को ठंड से बचाना होता है। इस समय ठंड लगने से पेट दर्द में इजाफा होता है। ऐसे में आप गर्म या हल्के गुनगुने पानी से ही नहाएं। गर्म पानी से नहाने से आपके बदन की सिकाई होती है, जिसके कारण दर्द से भी राहत मिलती है। इस दौरान ठंडे-ठंडे नहीं, बल्कि गर्म-गर्म पानी से नहाना चाहिए।

मानसिक तनाव में रहना

पीरियड्स के समय आपको तनाव से बचने के जरूरत है। तनाव शरीर में हार्मोनल मार्गों को प्रभावित करता है और यह पीरियड साइकिल को नियंत्रित करने वाले हार्मोन को भी प्रभावित कर सकता है।तनाव से अनियमित पीरियड होने का खतरा रहता है। इससे पीरियड क्रैम्प्स और भी दर्द देने वाले हो जाते हैं।पीरियड्स के दौरान आप ऐसे काम करें, जिनसे आपका मन खुश और शांत रहे।

मोनालिसा के लेटेस्ट लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल, बोल्ड लुक देख नजरें नहीं हटा पा रहे फैंस

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा आए दिन अपनी बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरों से फैंस को हैरान कर देती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में फैंस के बीच वायरल होने लगती हैं। हाल ही में मोनालिसा ने अपनी लेटेस्ट स्टनिंग लुक्स में तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। सोशल मीडिया पर अपनी ग्लैमरस फोटोज से धमाल मचाने वाली एक्ट्रेस मोनालिसा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके सारे लुक्स को काफी पसंद भी करते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों को देखकर फैंस उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं मोनालिसा ने ग्रीन कलर का स्टाइलिश आउटफिट पहना हुआ है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही क्लासी और हॉट नजर आ रहीं हैं, जिन पर फैंस अपना दिल हार बैठे हैं। मोनालिसा की इन स्टनिंग फोटोज को देखकर फैंस कॉमेंट्स के जरिए उनकी पोस्ट पर तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है नाइस आई लाइक इट तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है आप बहुत ही खूबसूरत हैं। बताते चलें कि एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

केल बनाम पालक: सेहत के लिए इनमें से किसका सेवन है ज्यादा बेहतर?

जब हरी पत्तेदार सब्जियों की बात आती है तो सूची में सबसे आगे केल और पालक को माना जाता है। ये दोनों सब्जियां विभिन्न खनिजों से भरपूर होती हैं, जिस वजह से इन्हें डाइट में शामिल करने से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं, लेकिन इनमें से बेहतर कौन-सी सब्जी है? कई लोग इस बात को लेकर बहस करते हैं कि केल में पालक से ज्यादा पोषण होते हैं। आइए इन दोनों सब्जियों की तुलना कर इसकी सच्चाई जानते हैं।

केल और पालक का स्वाद

केल ब्रैसिका ओलेरासिया पौधे के परिवार से संबंधित है और इसकी पत्तियां गहरे हरे रंग की होती हैं। केल की पत्तियों को सलाद के तौर पर खाया जाता है और इनका स्वाद थोड़ा कड़वा और चटपटा होता है। हालांकि, केल की कुछ किस्में खाने योग्य नहीं होती हैं। पालक ऐमारैंथ नामक पौधे के परिवार से संबंधित है। इसका स्वाद हल्का कड़वा होता है और इसे कच्चा या पकाकर खाया जा सकता है।

पालक के फायदे

पालक कई ऐसे पोषक तत्वों से समृद्ध होता है, जो शारीरिक और मानसिक विकास में अहम भूमिका अदा कर सकते हैं। इसके साथ ही ये कई गंभीर बीमारियों के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, मधुमेह के स्तर को नियंत्रित रखने, मोटापे से राहत दिलाने और कुछ तरह के कैंसर के जोखिम को कम करने में पालक सहायक साबित हो सकता है। पालक का सेवन हड्डियों और मेटाबॉलिज्म के लिए भी लाभदायक है।

केल के सेवन से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभ

केल में अन्य पत्तेदार सब्जियों की तुलना में अधिक मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण शामिल होते हैं, इसलिए इसका सेवन शरीर से मुक्त कणों को दूर करने और अलग-अलग तरह की शारीरिक सूजन को कम करने में मदद कर सकता है। यहीं नहीं, केल में एंटी-ऑक्सीडेंट के साथ-साथ कार्डियोप्रोटेक्टिव और हेपेटोप्रोटेक्टिव प्रभाव मौजूद होते हैं, जो हृदय और लीवर को सुरक्षित रखने में मदद कर सकते हैं। इसलिए केल को डाइट में जरूर शामिल करें।

इनमें से किसका चयन करना ज्यादा बेहतर है?

केल और पालक की पोषण सामग्री और स्वास्थ्य लाभों में छोटे-छोटे अंतर ही हैं, इसलिए यह आपका व्यक्तिगत फैसला की इनमें से किसका चयन करना चाहिए। वैसे दोनों ही सब्जियां स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं, लेकिन इनका अधिक सेवन सेहत के लिए खतरा भी बन सकता है। इसलिए इनका सेवन सीमित मात्रा में ही करें। पालक को तो आप इन 5 व्यंजनों के जरिए भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

उर्दू भाषा के तौर-तरीकों और लहजे को अपनाना आसान नहीं था: सीरत कपूर

शो रब से है दुआ में मन्नत का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री सीरत कपूर ने खुलासा किया कि उर्दू भाषा के तौर-तरीकों और लहजे को अपनाना आसान नहीं था। एक महिला द्वारा दूसरी शादी के लिए अपने पति के अनुरोध पर सवाल उठाने के बारे में शो की अलग-अलग कहानी मुख्य कलाकारों अदिति शर्मा (दुआ), करणवीर शर्मा (हैदर) और ऋचा राठौड़ (गजल) के साथ पूरे शो के दौरान सुर्खियों में रही।

हालांकि, शो में 22 साल का लीप आएगा और अदिति शर्मा की जगह अभिनेत्री रेमन कक्कड़ बड़ी दुआ की भूमिका निभाएंगी। उन्हें अब एक मजबूत कुलमाता के रूप में देखा जाता है जिसने पारिवारिक व्यवसाय संभाल लिया है।

यह शो अब दुआ की बेटियों - सौतेली बहनों इबादत (हैदर और गजल की बेटी), और मन्नत (हैदर और दुआ की बेटी) की यात्रा पर केंद्रित होगा, जो पुरुषों द्वारा बहुविवाह की अनुमति देने वाले कानून के दुरुपयोग के खिलाफ हैं। इसमें टेलीविजन के दिलों की धड़कन धीरज धूपर सुभान की भूमिका निभाएंगे, और सीरत और येशा रुघानी क्रमश: मन्नत और इबादत की भूमिका निभाते नजर आएंगे। अपनी भूमिका की तैयारियों के बारे में बात करते हुए, सीरत ने कहा: मैंने बहुत सारा होमवर्क किया क्योंकि मैं चाहती थी कि यह बहुत स्वाभाविक और प्रामाणिक हो। मैं इस खूबसूरत भाषा को बोलने में कोई गलती नहीं करना चाहती थी। हमारे पास कार्यशालाएं थीं और मैंने पढ़ा और ढेर सारा सामान सुना। उन्होंने साझा किया, यह कोई आसान काम नहीं था, लेकिन यह बहुत मजेदार था। कठिनाई इसे दिलचस्प बनाती है, आपको बहुत सी नई चीजें सीखने को मिलती हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए सीरत ने बताया कि मन्नत एक बहुत मजबूत और आत्मविश्वासी लड़की है, जो अपने लक्ष्यों और आकांक्षाओं को लेकर स्पष्ट है।

वह महत्वाकांक्षी है लेकिन बच्चों जैसी भी है, जो मुझे उसके बारे में बहुत पसंद आया। वह बहुत बहुस्तरीय है और उसमें कई शेड्स हैं। वह अपने साथ-साथ दूसरों के अधिकारों के लिए भी लड़ती है इसलिए वह सबसे अलग है। सीरत ने पहले खुलासा किया था कि वह अपने किरदार से काफी जुड़ी हुई हैं, लेकिन कोशिश कर रही हैं कि वह अपने किरदार को घर तक न ले जाएं।

शो इमली का हिस्सा रहीं अभिनेत्री ने कहा, एक अभिनेत्री के रूप में, मैं इसे नहीं करना सीख रही हूं। यह कुछ ऐसी चीज है जिसके लिए अभ्यास की आवश्यकता होती है, इसलिए मैं हर समय आत्म-जागरूक रहना सीख रही हूं।

वाणी कपूर, परेश रावल और अपारशक्ति खुराना ने मिलाया हाथ, इस फिल्म में दिखेंगे साथ

बीते कुछ सालों में कई पारिवारिक ड्रामा फिल्मों ने दर्शकों का मनोरंजन किया है तो कमाई के मामले में भी इनका अच्छा प्रदर्शन रहा है। इनमें जुग जुग जियो, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी और सत्यप्रेम की कथा जैसी कई फिल्में शामिल हैं। ऐसे में अब निर्माताओं का झुकाव पारिवारिक ड्रामा फिल्मों की ओर बढ़ रहा है। इसी बीच अब निर्देशक नवजोत गुलाटी ऐसी ही फिल्म लाने की तैयारी में हैं, जिसके लिए सितारों का चयन हो गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, गुलाटी की इस बिना शीर्षक वाली फिल्म का निर्माण निकी विक्की भगनानी फिल्म्स द्वारा किया जाएगा। सूत्र ने बताया कि निर्माता इस फिल्म के लिए वाणी कपूर, परेश रावल और अपारशक्ति खुराना के साथ काम करने के इच्छुक थे। ऐसे में जब इन सितारों से फिल्म के लिए संपर्क किया गया तो ये तिकड़ी तुरंत राजी हो गई। तीनों पहली बार किसी फिल्म के लिए साथ आए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म की शूटिंग जल्द ही लंदन में शुरू होने वाली है। इसमें वाणी और अपारशक्ति भाई-बहन की भूमिका निभा रहे हैं तो परेश का किरदार भी काफी शानदार होगा। सूत्र ने आगे बताया कि इस फिल्म की कहानी आधुनिक समय में खराब हो रहे रिश्तों की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी, जिसमें ड्रामे के साथ कॉमेडी भी देखने को मिलेगी। गुलाटी ने फिल्म के निर्देशन के साथ ही लेखन का जिम्मा भी खुद उठाया है। गुलाटी गिन्नी वेड्स सन्नी, जय मम्मी दी जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं और अब वह इस पारिवारिक ड्रामा की तैयारी में जुट गए हैं।

एनिमल पार्क में दिखेगा रणबीर कूपर का ज्यादा खूंखार अंदाज, 2025 में शुरु होगी फिल्म की शूटिंग

रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना और अनिल कपूर जैसे सितारों से सजी फिल्म एनिमल 2023 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक थी। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 556.31 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। एनिमल की सफलता के बाद अब दर्शक फिल्म की दूसरी किस्त एनिमल पार्क का इंतजार कर रहे हैं। ताजा खबर यह है कि एनिमल पार्क की स्क्रिप्ट के लेखन की शुरुआत होने वाली है। रिपोर्ट के मुताबिक, एनिमल पार्क की स्क्रिप्ट पर काम इसी महीने से शुरू होगा। फिल्म की शूटिंग 2025 में शुरू होगी। दूसरे भाग की कहानी ठीक उस समय तैयार हो गई थी, जब एनिमल लिखी गई थी। इसमें रणबीर का एनिमल से ज्यादा खतरनाक अवतार देखने को मिलेगा। एनिमल पार्क की कहानी रणविजय और उनके हमशक्ल पर केंद्रित होगी। एनिमल में बॉबी देओल, शक्ति कपूर, सुरेश ओबेरॉय और तृप्ति डिमरी जैसे कलाकार भी हैं। एनिमल पार्क के अलावा रणबीर, नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म रामायण में राम के किरदार को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि, इसकी फिलहाल कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इसके अलावा रणबीर ने हाल ही में अपनी नई फिल्म का ऐलान किया था, जिसका नाम लव एंड वॉर रखा गया है। इसमें वह आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ दिखाई देंगे।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

भानुप्रतापपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर का हुआ आयोजन, पात्र लोग हो रहें योजना से लाभान्वित

भानुप्रतापपुर। विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर के द्वितीय चरण के लिए एक बार पुन: भानुप्रतापपुर नगर अंतर्गत संकल्प शिविर का आयोजन किया गया, इस यात्रा के माध्यम से केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को गांव के अन्तिम छोर तक निवास करे रहे जन सामान्य को शत प्रतिशत आच्छादित करना विकसित भारत संकल्प यात्रा का लक्ष्य हैं। कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती के छायाचित्र पर पूजा अर्चना एवम् भारत को विकसित राष्ट्र बनाने शपथ ग्रहण कर शुभारंभ किया गया इस दौरान स्कूली बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया, जिसमे बच्चों ने हसदेव अरण्य पर आधारित झांकियो के माध्यम से संदेश दिया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमंत नेताम ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र व्यक्तियों को जोड़ना है और उन्हें लाभ पहुंचाना है। जिन ग्रामीणो को प्रधानमंत्री आवास, मुख्यमंत्री आवास, पेंशन, स्वच्छ शौचालय, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेयजल, हैण्डपम्पो की स्थापना/मरम्मत, सम्पर्क मार्ग,प्रधान मंत्री विश्वकर्मा योजना, उज्वला योजना जैसे सभी योजनाओं से पात्र लोगों को लाभान्वित करना है ।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा से देशवासियों में जगी न्याय की उम्मीद : विनोद चंद्राकर

महासमुंद। राहुल गांधी की यात्रा को लेकर पूरे देश के काँग्रेस कार्यकर्ता उत्साहित हैं। इस यात्रा को लेकर पूर्व संसदीय सचिव व महासमुंद विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने कहा कि देश में नफरत को मिटाने के लिए राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर रहे हैं। गांधी आम लोगों के बीच जा रहे हैं और यात्रा का उद्देश्य बता रहे हैं। संविधान की सुरक्षा हो, बेरोजगारों को न्याय मिले, महिलाओं की भागीदारी बढ़े, इसी उद्देश्य के साथ राहुल गांधी आगे बढ़ रहे हैं। भारत जोड़ो न्याय यात्रा को सफलता मिलने का दावा करते हुए चंद्राकर ने आगे कहा कि इस यात्रा ने देशवासियों में न्याय की उम्मीद जगाई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यकाल में प्रदेश का उत्तरोत्तर विकास हुआ। बघेल द्वारा बनाए गए गरीब कल्याण की योजना लोगों को काफी पसंद आया। इसलिए प्रदेश में कांग्रेस काफी मजबूत स्थिति में है। और राहुल गांधी की यात्रा के बाद कांग्रेस और मजबूत हुई है। खनिज संपदा से धनी होने के बावजूद छत्तीसगढ़ में केन्द्र की भाजपा सरकार रोज़गार के लिए कोई बड़ी व्यवस्था नहीं कर पाई। राज्य के युवा देशवासियों के न्याय के लिए चल रही इस भारत जोड़ो यात्रा में बढ़ चढ़ कर शामिल हुए और राहुल गांधी के प्रति अपने विश्वास व्यक्त किए। इससे पूर्व कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक जो यात्रा रही, उसका असर पूरे भारत में पड़ा था। इसलिए पूर्व से पश्चिम तक की एक और यात्रा राहुल गांधी कर रहे हैं। इस यात्रा को हर वर्ग का समर्थन मिल रहा है। एक चेतना देश में अब जागृत हो चुकी है। देश के विकास में सबकी भागीदारी है। राहुल गांधी देश को भाईचारा के साथ आगे बढ़ाना चाहते हैं। भारत जोड़ो न्याय यात्रा सफलता की ओर अग्रसर है। इसके परिणाम स्वरूप देश के समस्त राज्यों सहित छत्तीसगढ़ में आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को इसका लाभ मिलेगा और प्रदेश के समस्त 11 सीटों पर कांग्रेस की जीत सुनिश्चित होगी।

छत्तीसगढ़ में सुशासन का नया दौर

श्रीकंचपनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार राज्य को संवारने के लिए तेजी से फैसले ले रही है। जनहित में लिये जा रहे इन फैसलों से राज्य के वनांचल क्षेत्रों सहित पूरे प्रदेश में उत्साह का माहौल है। राज्य में सुशासन का नया दौर शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री साय ने शपथ लेने के केवल दो माह के अंदर ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्य की जनता को दी गई गारंटी को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर अनेक कदम उठाएं हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अन्नदाता किसानों को दो साल के बकाया धान बोनस की राशि देने का निर्णय लेते हुए लगभग 13 लाख किसानों के बैंक खातों में सुशासन दिवस के दिन 3716 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की। किसानों से 21 क्विंटल प्रति एकड़ तथा 3100 रूपए प्रति क्विंटल के मान से धान खरीदी की गई है। किसानों को वर्तमान में समर्थन मूल्य का भुगतान सहकारी बैंकों के माध्यम से किया गया है। किसानों को अंतर की राशि देने के लिए राज्य सरकार द्वारा कृषक उन्नति योजना प्रारंभ की जा रही है, जिसके अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में 10 हजार करोड़ रूपए का प्रावधान तथा वित्तीय वर्ष 2023-24 के तृतीय अनुपूरक में 12 हजार करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

प्रदेश के साढ़े 12 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को जल जीवन मिशन के तहत नि:शुल्क नल कनेक्शन देने का निर्णय लिया है। नि:शुल्क नल कनेक्शन देने के लिए राज्य के बजट में 4,500 करोड़ रुपये प्रावधान रखा गया है। मुख्यमंत्री खाद्यान्न सुरक्षा योजना के लिए 3 हजार 400 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना में भूमिहीन कृषि मजदूरों को 10 हजार रुपये वार्षिक सहायता का निर्णय भी लिया गया है, इसके लिए वर्ष 2024-25 के बजट में 500 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा शपथ ग्रहण के दूसरे दिन प्रथम कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 18 लाख घरों के निर्माण की स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया, इसके लिए वर्ष 2023-24 के अनुपूरक बजट में 3799 करोड़ और वर्ष 2024-25 के बजट में 8,369 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। महिलाओं के सशक्तिकरण सहित स्वास्थ्य और पोषण को ध्यान में रखते हुए महतारी वंदन योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1 हजार रुपए की दर से वार्षिक 12 हजार रुपए आर्थिक सहायता दी जाएगी, इसके लिए बजट में 3000 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा है कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले लोग बख्शे नहीं जाएंगे। इस संबंध में पीएससी परीक्षा घोटाले की सीबीआई जांच का निर्णय लिया गया है। उन्होंने युवा स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ उद्यम क्रांति योजना लागू करने का निर्णय लिया है। इसी प्रकार पुलिस विभाग सहित विभिन्न शासकीय भर्तियों में युवाओं को निर्धारित आयु सीमा में 5 वर्षों की छूट देने का निर्णय भी लिया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने तेंदूपत्ता संग्रहण दर को 4,000 रुपये प्रति मानक बोरा से बढ़ाकर 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा करने का निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ में रेल नेटवर्क के विस्तार के लिए कटघोरा से डोंगरगढ़ रेल लाइन निर्माण के लिए राज्य के बजट में 300 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। घरेलू उपभोक्ताओं को 400 यूनिट तक आधे दाम पर बिजली प्रदाय करने के लिए 1274 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। भ्रष्टाचार निवारण के लिए शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए अटल मॉनिटरिंग पोर्टल शुरू किया गया है। कोल परिवहन की पारदर्शी प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन परमिट व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के शहर राजिम के वैभव को फिर से स्थापित करने के लिए राजिम कुंभ (कल्प) आयोजन का निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ के लोगों को अयोध्या यात्रा के लिए नि:शुल्क रामलला दर्शन योजना लागू की गई है, इसके लिए बजट में 35 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

सामुदायिक भागीदारी से भोजन को अधिक पोषक बनाने की पहल

छत्तीसगढ़ के स्कूलों में अब 'न्योता भोजन'

श्रीकंचपनपथ न्यूज

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के स्कूलों में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को दिए जाने वाले गर्म भोजन को सामुदायिक भागीदारी की बदौलत और अधिक पोषक बनाने की अभिनव पहल की गई है। शाला अवधि में विद्यार्थियों को भोजन प्रदाय करने के लिए संचालित प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना गाईडलाईन में सामुदायिक आधार पर तिथि भोजन के प्रावधान के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में इसे 'न्योता भोजन' के नाम से लागू करने का निर्णय लिया गया है।

न्योता भोजन का उद्देश्य समुदाय के बीच अपनेपन की भावना का विकास, भोजन के पोषक मूल्य में वृद्धि तथा सभी समुदाय वर्ग के बच्चों में समानता की भावना विकसित करना है। न्योता भोजन की अवधारणा सामुदायिक भागीदारी पर आधारित है। यह पूरी तरह से स्वैच्छिक है और समुदाय के लोग अथवा कोई भी सामाजिक संगठन, स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पूर्ण भोजन का योगदान कर सकते हैं अथवा अतिरिक्त पूरक पोषण के रूप में खाद्य सामग्री का योगदान कर सकेंगे। न्योता भोजन, स्कूल में दिए जाने वाले भोजन का विकल्प नहीं होगा, बल्कि यह विद्यार्थियों को दिए जा रहे भोजन का पूरक होगा। यह विभिन्न त्यौहारों या अवसरों जैसे वर्षगांठ, जन्मदिन, विवाह और राष्ट्रीय पर्व आदि पर बड़ी संख्या में लोगों को भोजन प्रदान करने की भारतीय परम्परा पर आधारित है। समुदाय के सदस्य ऐसे अवसरों/त्यौहारों पर अतिरिक्त खाद्य पदार्थ या पूर्ण भोजन के रूप में बच्चों को पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन प्रदान कर सकते हैं। यह पूरी तरह स्वैच्छिक है और समुदाय के लोग अथवा कोई भी सामाजिक संगठन या तो पूर्ण भोजन का योगदान कर सकते हैं या अतिरिक्त पूरक पोषण के रूप में मिठाई, नमकीन, फल या अंकुरित अनाज आदि के रूप में खाद्य सामग्री का योगदान कर सकते हैं। ध्यान रहे न्योता भोजन शाला में दिये जाने वाले भोजन का विकल्प नहीं है, बल्कि यह केवल शाला में प्रदान किये जाने वाले भोजन का पूरक है।

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना में समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिये छत्तीसगढ़ राज्य में न्योता भोजन की अवधारणा रखी गई है, जिसमें प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना से लाभांवित हो रहे बच्चों को अतिरिक्त खाद्य पदार्थ या पूर्ण भोजन के रूप में पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन प्रदान किया जा सकेगा। इसके तहत समुदाय के सदस्य किचन के बर्तन भी उपलब्ध करा सकते है।

संभावित दाताओं की पहचान- समुदाय में ऐसे दान दाताओं की पहचान की जा सकती है जो रोटेशन में माह में कम से कम एक दिन शाला में 'न्योता भोजन' करा सके। दान दाताओं को प्रोत्साहित करने के लिये उन्हें शाला की प्रार्थना सभा अथवा वार्षिक दिवस में सम्मानित किया जाए। भोजन दान की प्रकृति को महादान के रूप में प्रचारित किया जाना चाहिए, जिसमें पूरे विद्यालय अथवा किसी कक्षा विशेष के बच्चों को 'न्योता भोजन' कराया जाता है। 'न्योता भोजन' के दिन दान-दाता को शाला में आमंत्रित किया जाए। 'न्योता भोजन' की घोषणा प्रार्थना के दौरान की जाए। घोषणा में दान-दाता के नाम की भी घोषणा की जा सकती है अथवा उन्हें आमंत्रित किया जा सकता है।

'न्योता भोजन' के अन्तर्गत प्रदान की जाने वाली सामग्रियां- प्रदान की जाने वाली सामग्री में शाला के लिये पूर्ण भोजन, कक्षा विशेष के लिये पूर्ण भोजन अथवा अतिरिक्त पोषण आहार हो सकता है। इसके अतिरिक्त पूर्ण या अतिरिक्त पोषण हेतु सामग्री प्रदान की जा सकती है जिसे शाला के रसोईयों के द्वारा बनाकर बच्चों को परोसा जा सकता है। दान-दाताओं द्वारा प्रदान किया जाने वाला खाद्य पदार्थ अथवा सामग्री उस क्षेत्र के खान-पान की आदत (फुड हैबिट) के अनुसार होनी चाहिए। पूर्ण भोजन की स्थिति में नियमित रूप से दिये जाने वाले भोजन के समान बच्चों को दाल, सब्जी और चावल सभी दिया जाना है। फल, दूध, मिठाई, बिस्किट्स, हलवा, चिक्की, अंकुरित खाद्य पदार्थ जैसे सामग्री, जो बच्चों को पसंद हो का चुनाव अतिरिक्त पूरक पोषण सामग्री के रूप में किया जा सकता है। पौष्टिक एवं स्वादिष्ट मौसमी फलों का चयन भी पूरक पोषण सामग्री के रूप में किया जा सकता है। मौसमी फल अपेक्षाकृत सस्ते एवं पौष्टिक होते है।

कलेक्टर ने ली जिला स्तरीय पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना समिति की बैठक

श्रीकंचपनपथ न्यूज

सूरजपुर। कलेक्टर रोहित व्यास द्वारा एस.ई.सी.एल. भटगांव क्षेत्र के अन्तर्गत् महामाया ओ.सी.पी. परियोजना हेतु ग्राम दुरती एवं सेन्धोपारा में कोल इण्डिया पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना नीति 2012 के प्रावधानों के तहत जिला स्तरीय पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना समिति की बैठक जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में रखी गई थी। जिसमें समस्त प्रभावित ग्राम वासी, संबंधित सरपंच, उपसरपंच, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी उपस्थित रहें। बैठक में कलेक्टर ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए बताया कि अर्जित भूमि के एवज में कोल इंडिया पुनर्वास एवं पुनर्स्थापना नीति 2012 के अनुसार प्रभावितों के लिए प्रशासन, एसईसीएल व प्रभावितों के बीच बेहतर समन्वय बने और समाधान कारक निर्णय लिया जा सके। बैठक में सड़क के लिए अधिग्रहित ज़मीन पर पात्र व्यक्ति, जमीन मालिक को छोड़ किसी दूसरे को नौकरी, नौकरी मे जाति विवाद, भूविस्थापित के नौकरी, मुआवजा, सीएसआर के तहत मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति इत्यादि विषयों पर चर्चा हुई।

कपसरा, गेतरा, करमपुर, जोबगा, मानी, पोड़ी, गोविंदपुर, जयनगर व दतिया ग्राम पंचायत के सरपंच ने अपने गाँव की समस्याएं रखी। जिसमें उन्होंने आंगनबाड़ी, ग्राम पंचायत भवन, स्कूल, सीसी रोड, पानी व बिजली जैसी मूलभूत कमियों से अवगत कराया। जिस पर कलेक्टर ने एसईसीएल व राजस्व अधिकारियों को संयुक्त टीम बनाकर सरपंच, सचिव व पंच की उपस्थिति में ग्राम सभा में जनहित मूलभूत सुविधाओं की सूची व एस्टिमेट बनाकर और प्रस्तावित करवाने के लिए निर्देशित किया। सरपंचों ने पानी को सबसे बड़ी समस्या बताया। जिस पर कलेक्टर ने पेयजल की समस्या को संज्ञान में लेते हुए इसके त्वरित निराकरण के लिए बैठक में बैठे एसईसीएल के अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके साथ ही बैठक में एसईसीएल के द्वारा लोकल लोगों को प्लेसमेंट एजेंसी द्वारा रोजगार मे प्रथमिकता ना देने का मामला भी आया। जिस पर कलेक्टर ने एसईसीएल के संबंधित को इसके समाधान के लिए निर्देशित किया। सरपंच श्रीमती स्वाति सिंह, पोड़ी की सरपंच श्रीमती मोहरमनिया सिंह, मानी की सरपंच श्रीमती सोनमनी सिंह ने अपनी गांव की समस्याओं को बिन्दुवार प्राथमिकता के साथ बैठक में रखा जिस पर एसईसीएल के अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी बातों को संज्ञान में लेकर उन पर त्वरित कार्यवाही की जायेगी।

संयंत्र और समुदाय में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह पर चलाया जागरूकता अभियान

श्रीकंचपनपथ न्यूज

बालकोनगर । वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने 'सड़क सुरक्षा हीरो बनें' थीम पर महीने भर का अभियान आयोजित करके 35वीं राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया। अभियान का उद्देश्य संयंत्र और समुदाय के लोगों के बीच सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देना है, जिससे सभी सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण तैयार हो सके। 15 जनवरी से 14 फरवरी के बीच चले अभियान में लगभग 8000 व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों को जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से सड़क सुरक्षा के चैंपियन के रूप में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

बालको ने कर्मचारियों, उनके परिवारों और व्यावसायिक भागीदारों के बीच सुरक्षित ड्राइविंग और सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए क्विज़, रैली, ड्राइंग और स्लोगन प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया। कंपनी ने सड़क सुरक्षा उपायों के महत्व को बताने के लिए जागरूकतापूर्ण नाटक और आपातकालीन अभ्यास का भी अभियान चलाया। व्यक्तियों के बीच सुरक्षित व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए सर्वोत्तम पार्किंग और सुरक्षित ड्राइविंग जैसे विषयों पर प्रतियोगिता आयोजित की गईं। संयंत्र के साथ कंपनी ने छात्रों के बीच जागरूकता और जिम्मेदारी की संस्कृति को बढ़ावा देते हुए आसपास के स्कूलों में ज्ञानवर्धक सुरक्षा वार्ता और प्रश्नोत्तरी आयोजित किया गया।

बालको ने अपने संयंत्र में रॉ मटेरियल और फिनिश्ड प्रोडक्ट के परिवहन के लिए भारी वाहनों का संचालन करने वाले 400 से अधिक ड्राइवरों के लिए नेत्र जांच और व्यापक स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया। सड़क सुरक्षा संस्कृति को मजबूत करने के लिए संयंत्र परिसर में औचक वाहन निरीक्षण और संयंत्र के भीतर संभावित ब्लाइंड स्पॉट की पहचान कर उन्हें ठीक किया गया।

बालको अपने संयंत्र क्षेत्र में बिना रूकावट यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए बालको पुलिस के सहयोग से एक हेल्पलाइन नंबर भी लॉन्च किया। 20 सुरक्षा कर्मियों की टीम द्वारा समर्थित यह सुविधा यातायात संबंधी किसी भी चिंता का तुरंत जवाब देगी। कंपनी ने कच्चे और तैयार माल का परिवहन करने वाले 270 से अधिक भारी वाहनों क्षमता के लिए पार्किंग सुविधा स्थापित की।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि हमारे संगठन के भीतर और बाहर सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। सड़क सुरक्षा पर हमारे महीने भर चलने वाले अभियान का उद्देश्य सड़क उपयोगकर्ताओं को सड़कों पर सुरक्षित रूप से चलने के लिए व्यापक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल के साथ सशक्त बनाना है। सुरक्षा पर निरंतर जागरूकता और शैक्षिक पहल के माध्यम से हम अपने संयंत्र और समुदाय के भीतर एक सुरक्षित वातावरण बनाने के साथ सभी के बीच जिम्मेदारी और सम्मान की संस्कृति पैदा करने का प्रयास करने के लिए कटिबद्ध हैं।

मजबूत सुरक्षा संस्कृति के निर्माण की दिशा में कंपनी ने अपने प्रचालन क्षेत्र में कई अत्याधुनिक तकनीकों को शामिल किया है। एचएसएसई ने टी-पल्स निगरानी प्रणाली अपनाना जो सबसे व्यापक एआई मॉडल का उपयोग करके कैमरों के नेटवर्क के माध्यम से वास्तविक समय में संयंत्र के अंदर चल रही गतिविधि पर नज़र रखता है। ऑगमेंटेड एंड वर्चुअल रिएलिटी आधारित प्रशिक्षण केंद्र, वीडियो एनालिटिक्स, सस्टेनेबेलिटी मोबाइल ऐप और ई-लर्निंग पाठ्यक्रम जैसे डिजिटलीकरण के माध्यम से कर्मचारियों को सुरक्षा संस्कृति से जोड़ा गया है। बालको अत्याधुनिक सेंट्रलाइज्ड सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर (सीएसओसी) की मदद से यातायात एवं सड़क सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला सहित विभिन्न सुरक्षा कार्यों में बेहतर निर्णय लेने के लिए डिजिटल इंटेलिजेंस और डेटा अंतर्दृष्टि का लाभ उठा रहा है। रियल टाइम डेटा की निगरानी, हॉट स्पॉट डिटेक्शन सिस्टम जैसी परियोजनाओं सहित एंड-टू-एंड डिजिटल डैशबोर्ड की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए थर्मल निरीक्षण का उपयोग करना शामिल है। शॉप फ्लोर में भारी वाहनों के सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित करने के लिए एलईडी लोगो प्रोजेक्टर का प्रयोग हो रहा है। सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए आंतरिक वाहन संचालन में अत्याधुनिक एआई तकनीक एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) और ड्राइवर मॉनिटरिंग सिस्टम (डीएमएस) को लागू किया गया है।

एक्सपोर्ट आउटरिच प्रोग्राम पर एकदिवसीय कार्यशाला हुई सम्पन्न

मोहला। जिला कार्यालय के सभा कक्ष में कलेक्टर एस जयवर्धन की अध्यक्षता में एक्सपोर्ट आउटरिच प्रोग्राम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विदेश व्यापार महानिर्देशालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार से विशेषज्ञों की टीम में निखिल पाटिल, ध्रुव पारेख, सु सोनाली मोरई, के द्वारा जिला अंतर्गत उत्पादित/ विनिर्मित वस्तुओं/ सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के निर्यात बंधू योजना के तहत उत्पादों की पहचान एवं निर्यात को बढ़ावा देने के लिए निर्मित एवं उत्पादित सामग्रियों के निर्यात की क्रम बद्ध प्रक्रियाओं एवं आवश्यक दस्तावेजीकरण के संबंध में उपस्थित जिले के राईस मिलर्स एसोसिएसन के सदस्यों, किसान उत्पाद संगठनों एवं महिला स्वयं सहायता समूहो का एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कलेक्टर महोदय द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को निर्मित उत्पादकों को गुणवत्ता पूर्ण निर्मित करने एवं आयात-निर्यात सर्टिफिकेट बनाने प्रेरित किया गया।

खास खबर

ट्रेलर की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत, सुबह जा रहा था ड्यूटी

कोरबा। कोरबा में तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना के बाद देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मृतक की पहचान ओम प्रकाश निवासी रापाखर्रा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि ओम प्रकाश कुसमुंडा के एसईसीएल गेवरा खदान में ठेकेदार के अंडर में काम करता था। सुबह 6 बजे फर्स्ट सिफ्ट में काम करने घर से निकला हुआ था। मानिकपुर बाईपास मुख्य मार्ग कदमहा खार के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया, जहां बाइक सवार ओम प्रकाश मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मानिकपुर चौकी प्रभारी प्रेम साहू ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी ली। घटना के बाद वाहन मौके से फरार है। घटना किस वाहन से हुई है ये अभी जांच का विषय है। मृतक की मौत कब कैसे और किन परिस्थिति में हुई है, इसकी जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि ट्रेलर वाहन की रफ्तार काफी तेज थी। वहीं, बाइक अनियंत्रित होकर पहिए के नीचे आ गया गई, जिससे बाइक सवार का सिर बुरी तरह से कुचल गया।

रात को देर से आने पर पड़ी पिता की डांट, नाराज छात्र ने लगा ली फांसी

कोरबा। रात को देरी से लौटने पर पिता ने डांटा तो छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना रविशंकर नगर की है जहां 15 वर्षीय अतुल राठिया ने अपने घर पर फांसी लगा ली। मृतक सीएसईबी बीकन स्कूल में नवमी का छात्र था। मृतक के पिता ने बताया कि रात्रि को अतुल विलंब से घर लौटा था जिस पर उसे नसीहत दी गई थी। अगली सुबह उसके नहीं उठने पर इस मामले की जानकारी हुई।

मृतक के पिता राय सिह राठिया ने बताया कि उसके दो बेटे है कुलदीप बड़ा बेटा है दूसरा नम्बर का मृतक अतुल था वो ड्राइवरी का काम करता है और किसी काम से रायगढ़ गाड़ी लेकर गया हुआ था देर रात वापस लौटा जहां सुबह उठने पर उसे पता चला कि कुलदीप फांसी पर लटका हुआ था। इसके बाद चिक पुकार मच गया और आसपास के लोग एकत्रित हो गए। कुलदीप को जिंदा समझ तत्काल उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

सिविल लाइन थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक आकाश शर्मा ने बताया कि निजी अस्पताल से मिले मेमो के आधार पर मौके पर पहुंचे और शव का पंचनामा कार्यवाही कर मृतक के परिजनों का बयान दर्ज किया गया है। आगे की जांच कार्यवाही की जा रही है।

पत्नी का रेप होते देख पीट-पीट कर ले ली बदमाश की जान, पति गिरफ्तार, रेप का दूसरा आरोपी भी पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में रेप व हत्या का सन सनीखेज मामला सामने आया है। पत्नी के साथ जा रहे पति शौच के लिए गया और इधर दो बदमाशों ने पत्नी को अकेले पाकर रेप करना शुरू कर दिया। वापस लौटने के बाद जब पत्नी नहीं दिखी तो ढूंढता हुआ पहुंचा तो एक बदमाश उसकी पत्नी से दुष्कर्म कर रहा था। यह देख पति ने आक्रोश में आकर ड़डे से पीट-पीटकर बदमाश की जान ले ली। वहीं एक बदमाश फरार हो गया है। इस मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने हत्या के आरोप में पति को और रेप के आरोपी फरार बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को अलग अलग न्यायालय में पेश कर रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

इस पूरे मामले का शनिवार को जशपुर एसपी शशिमोहन सिंह ने किया। एसपी शशि मोहन ने बताया कि 28 वर्षीय पीडिता ने थाना जशपुर पहुंचकर शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनका पति मुकेश एक्का (38) 15 फरवरी को कुछ काम से पास के गांव गया था। काफी देर बाद वापस नहीं आने पर प्रार्थिया अपने पति को ढूंढते हुये उक्त गांव में गई। गांव में पति से मिलकर दोनों साथ में वापस घर की ओर लौट रहे थे। इस दौरान रास्ते में उसके पति मुकेश एक्का ने कहा कि मैं फ्रेश होने तालाब (डबरी) की ओर जा रहा हूं, तुम घर की ओर जाती रहो।

इसके बाद प्रार्थिया घर की ओर जाने लगी। इस दौरान गांव के एक बरगद पेड़ के पास उसे दिलीप बड़ा एवं रामलाल राम उससे मिले। अकेली देख महिला को पकड़कर जबरदस्ती खींचते हुये पेड़ के पास मैदान में ले गए। इसके बाद पहले दिलीप बड़ा ने महिला से दुष्कर्म किया। इसके बाद रामलाल राम दुष्कर्म करने लगा। तभी वहां प्रार्थिया का पति मुकेश एक्का पहुंच गया। पत्नी से दुष्कर्म होता वह देख न सका और रामलाल को लकड़ी के फारा व लात घूंसे से पीटने लगा। यह देख पहले दुष्कर्म करने वाला दिलीप बड़ा वहां से फरार हो गया। इधर पिटाई से रामलाल की मौत हो गई।

एक को रेप व दूसरे को हत्या के मामले में पुलिस ने किया गिरफ्तार

घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। दुष्कर्म पीडिता ने थाने पहुंचकर सारी बात बताई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रामलाल के शव को पीएम के लिए भेजा। इसके बाद महिला की शिकायत पर पुलिस ने दिलीप बड़ा के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। वहीं दुष्कर्म के दूसरे आरोपी रामलाल की हत्या के आरोप में पीडिता के पति मुकेश एक्का को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक रविशंकर तिवारी, एएसआई बैजंती किण्डो, नसरुद्दीन अंसारी, मनोज सिंह, ईश्वर प्रसाद वारले, प्रधान आरक्षक ढलेश्वर यादव, आरक्षक हेमंत कुजूर, शोभनाथ सिंह, विनोद तिर्की, नगर सैनिक थानेश्वर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मोबाइल की लत बना मौत का कारण, रील्स व पोस्ट में बीजी रहती थी पत्नी, पति ने मोबाइल छीना तो लगा ली फांसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने मोबाइल की लत के कारण जान दे दी। मोबाइल पर इंस्टा रील्स व फेसबुक पोस्ट डालने की आदी हो चुकी महिला ने पति द्वारा मोबाइल छीन लेने पर घर में फांसी लगाकर जान दे दी। शुक्रवर शाम को मोहल्ले के लोगों ने सुपेला पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस के पहुंचने से पहले की शव को फंदे से उतार लिया गया था। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार सुपेला निवासी भूपेंद्र साहू टाइल्स का काम

करता है। 6 साल पहले उसकी शादी रचना से हुई थी। दोनों की एक बेटी भी है। पुलिस की पूछताछ में भूपेन्द्र ने बताया कि उसकी पत्नी रचना अक्सर मोबाइल पर लगी रहती थी। रील्स व फेसबुक पोस्ट के कारण न बच्ची को देखना और न कोई काम। इसके कारण अक्सर विवाद भी होता था। शुक्रवार को सुबह से रचना मोबाइल पर बीजी थी तो भूपेन्द्र ने उसे ठोका लेकिन वह नहीं मानी। इसके कारण उसने मोबाइल छीना और घर से बाहर निकल गया।

बच्ची को दूसरे कमरे में रख खुद लगा ली फांसी

पति के निकलने के बाद मोबाइल को लेकर रचना काफी आवेश में आ गई। इसके बाद वह अपनी बच्ची को लेकर ऊपर वाले कमरे में गई। इस दौरान घर पर रचना की सास, जेठानी और उनके बच्चे ही थे। रचना ने बच्ची को एक कमरे में बंद किया और दूसरे कमरे में जाकर फांसी लगा ली। जब बच्ची ने शोर मचाया तो उसकी सास व जेठानी ऊपर पहुंचे देखा कि रचना फांसी पर झूल गई है। घबराहट में सभी चिल्लाया तो आसपास के लोग आ गए। इसके बाद रचना को फंदे से उतारा गया तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शादी का झांसा देकर महिला से रेप, आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। रायगढ़ जिले में माईको फाईनेंस कंपनी में काम करने वाले युवक ने शादी का झांसा देकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद शादी से मुकर गया। युवक को जूटमिल पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के बाद सक्ती जिले के मालखरौदा से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पीड़ित महिला ने जूटमिल थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि नीलकंठ बरेठ से लगभग सात माह पहले जान पहचान हुई थी। नीलकंठ बरेठ माईको फाईनेंस कंपनी में काम करता है और जूटमिल क्षेत्र में रहता था। महिला ने बताया कि नीलकंठ का उसके घर भी आना-जाना था। वह शादी करने के लिए कहता था। महिला ने बताया कि 11 फरवरी को घर पर अकेली थी। उसी रात नीलकंठ बरेठ आया और शादी करने का झांसा देकर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया और शादी करूंगा कहकर बिलासपुर ले गया और वहां भी शारीरिक संबंध बनाए। अब नीलकंठ बरेठ शादी करने से इंकार कर रहा है।

महिला की लिखित शिकायत के बाद जूटमिल थाना प्रभारी निरीक्षक मोहन भारद्वाज ने नीलकंठ बरेठ (25 साल) पर दुष्कर्म का अपराध दर्ज कर महिला अपराध को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के फरार होने से पूर्व गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर जेल भेजा गया है।

रोड एक्सीडेंट में बाइक सवार की मौतः सड़क किनारे पेड़ से टकराने से हुआ हादसा, रातभर बाइक में फंसी रही लाश

गरियाबंद (ए)। गरियाबंद जिले में हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा शनिवार रात को हुआ, लेकिन लोगों को पता नहीं चल पाया। रविवार सुबह उसकी लाश देखकर लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह नेशनल हाईवे- 130 सी पर सड़क किनारे एक पेड़ से बाइक सवार टकराया हुआ दिखा। पास आकर लोगों ने देखा, तो युवक की मौत हो चुकी थी। उसकी लाश औंधे मुंह पड़ी हुई थी। लोगों ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। मृतक

की पहचान जैतपुरी निवासी संजय विश्वकर्मा (35) के रूप में की गई है। सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए हैं। परिजनों ने बताया कि मृतक क्रेन ऑपरेटर था, जो काम खत्म होने के बाद गरियाबंद से अक्सर रात को ही घर के लिए बाइक से निकलता था। आशंका जताई जा रही है कि सामने से आ रहे किसी बड़े वाहन से टकराने या साइड देते वक्त बाइक सड़क से नीचे उतरकर पेड़ से टकरा गई होगी।

बाइक में फंसा मिला शव

देर रात होने की वजह से घटना की जानकारी किसी को नहीं हो सकी, जिसकी वजह से युवक बाइक में ही पेड़ के पास फंसा रहा। इसके चलते मौके पर ही उसकी जान चली गई। प्रधान आरक्षक अंगद राव ने कहा कि रविवार को पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

भरे बाजार नक्सलियों ने कमांडर पर किया टंगिया से हमला, साप्ताहिक बाजार में लगी थी ड्यूटी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सीएएफकैंप कमांडर शहीद हो गया। नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम ने दरभा के भरे बाजार में सीएएफ कैंप के कंपनी कमांडर पर टंगिया से हमला कर दिया। घटना के बाद बाजार में अफरा तफरी मच गई। हमले के बाद नक्सलियों की टीम वहां से फरार हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार बीजापुर जिले के कुटरू थाना क्षेत्र के दरभा के साप्ताहिक बाजार में बाजार ड्यूटी पर गये सीएएफ कैंप के कंपनी कमांडर तिजाउ राम भुआर्य को नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम ने टंगिया से वार कर बलिदान कर दिया। सीएएफ की चौथी बटालियन दरभा में पदस्थ तुजाउ राम भुआर्य मूलतः कांकेर के रहने वाले थे। घटना की पुष्टि कुटरू थाना प्रभारी राजीव श्रीवास्तव ने की है।

आठ नक्सलियों ने पुलिस के सामने किया सरेंडर, कई घटनाओं में रहे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

माओवादी उन्मूलन अभियान से प्रेरित होकर लौटे मुख्य धारा से

जगदलपुर। जिले में चलाये जा रहे माओवादी उन्मूलन अभियान के दौरान डीआरजी बस्तर फाईटर के द्वारा किये जा रहे संयुक्त प्रयासों से छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास एवं आत्मसर्पण नीति से प्रभावित होकर आत्मसर्पण कर दिया। इन सभी ने 17 2024 को पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव, कमांडेंट 85वी बटालियन केरिपु वी तुसिंग, द्वितीय कमान अधिकारी रितेश कुमार केरिपु 85 बटालियन, उप पुलिस अधीक्षक ऑप्स सुदीप सरकार, के समक्ष माओवादियो की खोखली विचारधारा, भेदभाव पूर्ण व्यवहार, उपेक्षा व प्रताड़ना से तंग आकर एवं छत्तीसगढ़ शासन के पुनर्वास एवं आत्मसर्पण नीति से प्रभावित होकर

आत्मसमर्पण किया ।

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में भैरमगढ़ एरिया कमेटी अन्तर्गत कंपनी नंबरर 02 पीपीसीएम बुधराम कड़ती ऊर्फ सुखराम निवासी पीटेपाल चिन्नापारा थाना मिरतुर जिला बीजापुर, गंगालूर एरिया कमेटी अंतर्गत हिरमागुण्डा आरपीसी सदस्य सुखराम पूनेम निवासी कांवड़गांव थाना गंगालूर, हिरमागुण्डा आरपीसी मिलिशिया ए सेक्शन कमाण्डर सुक्कू पूनेम निवासी कांवड़गांव गायतापारा थाना गंगालूर, ग्राम कांवड़गांव भूमकाल मिलिशिया डिप्टी कमाण्डर जोगा पूनेम निवासी कावंड़गांव थाना गंगालूर, कांवड़गांव भूमकाल मिलिशिया कमाण्डर भीमा माड़वी ऊर्फ जीरा, निवासी कांवड़गांव थाना गंगालूर जिला बीजापुर, हिरमागुण्डा आरपीसी जीपीसी सदस्य बुधरमा पूनेम निवासी कांवड़गांव पटेलपारा थाना गंगालूर, हिरमागुण्डा आरपीसी जनताना सरकार सदस्य कुम्मा पोटाम पिता लक्खू पोटाम निवासी कांवड़गांव गायतापारा थाना गंगालूर तथा हिरामागुण्डा आरपीसी सदस्य सुक्कू तामो निवासी कांवड़गांव तामोपारा थाना गंगालूर आदि शामिल हैं।

सरकार ने दी 25-25 हजार रुपए की राशि

संगठन में कार्यो की उपेक्षा करने एवं भेदभाव पूर्ण व्यवहार से त्रस्त होकर एवं छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पण नीतियों से प्रभावित होकर भारत के संविधान पर विश्वास रखते हुए उक्त माओवादियों द्वारा पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया गया। आत्मसमर्पण करने पर इन्हें उत्साहवर्धन हेतु शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत् 25000-25000/- रुपए पच्चीस हजार रुपये नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान किया गया।

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

मेंटेनेंस के लिए टाउनशिप में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग के अन्तर्गत टाउन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा वार्षिक रखरखाव योजना 2023-2024 के तहत टाउनषिप में विद्युतीय मेंटेनेंस एवं अनुरक्षण कार्य संपादित किये जा रहे हैं। ब्रेकडाउन को कम करने और सिस्टम की दक्षता बढ़ाने के लिए विद्युत सिस्टम के यथोचित रखरखाव पर विशेष जोर दिया जा रहा है। दिसंबर 2023 से मार्च 2024 के दौरान एचटी सिस्टम के निवारक रखरखाव के लिए टाउनषिप के विभिन्न स्थानों में योजनाबद्ध शटडाउन किया जाएगा। इस वार्षिक रखरखाव योजना के अंतर्गत सबस्टेशन, टैपिंग, डीपी और मेंटेनेंस, ओवरहालिंग, ओवर हेड लाइनों का मेंटेनेंस, जम्पर कसना, क्षतिग्रस्त पिन को बदलना, डिस्क इंसुलेटर और लाइटनिंग अरेस्टर, ट्रांसफार्मर का मेंटेनेंस आदि कार्य किये जायेंगे। यह कार्य प्रतिदिन योजनानुसार पूर्ण किये जाते हैं। इस कार्य के तहत टाउनषिप में 19 फरवरी 2024 से 14 फरवरी 2024 के मध्य विभिन्न स्थानों में विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेंगी। तिथि अनुसार प्रभावित होने वाले क्षेत्र हैं:- 19 फरवरी 2024 को वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, 20 फरवरी 2024 को सेक्टर-7 व 32 बंगला, 21 फरवरी 2024 को सेक्टर-06 का सीवेज पम्पहाउस तथा सेक्टर-2 के कुछ हिस्से, 22 फरवरी 2024 को सेक्टर-04 व 03 तथा सेक्टर-2 के कुछ हिस्से, 23 फरवरी 2024 को डायरेक्टर बंगला व रिसाइक्लिंग पम्प हाउस तथा 24 फरवरी 2024 को रिसाइक्लिंग पम्प हाउस। उपरोक्त क्षेत्रों में उल्लेखित दिनांकों को प्रात: 10.00 बजे से 1.30 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

कोक ओवन के कर्मचारी, षिरोमणि पुरस्कार से हुए सम्मानित

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र में शिरोमणी पुरस्कार योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट तथा अनुकरणीय कार्य निष्पादन के लिए शिरोमणि पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इसी के तहत संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में 16 फरवरी 2024 को कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक तरूण कनरार उपस्थित थे। समारोह में माह जनवरी 2024 के लिए अनिल कुमार लखेरा, मास्टर तकनीशियन (सीआरजी-मैकनिकल) तथा जगजीवन राम सिन्हा चार्जमन (एसएपी) को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया। पुरस्कार विजेताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र तथा उनके जीवनसाथी के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। तरूण कनरार ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को सुरक्षा को प्राथमिकता देकर इसी तरह लगन से कार्य करने तथा अपने अधीनस्थ कार्मिकों को भी कार्य में निपुण करने के लिए प्रेरित किया। इस समारोह में कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के अनुभाग प्रमुख व महाप्रबंधक समीर रायचैधरी, महाप्रबंधक बी पासवान, महाप्रबंधक झगर सिंह, महाप्रबंधक बी सी मंडल, महाप्रबंधक एस के पंचभाई तथा सहायक महाप्रबंधक अनिल कुमार सहित प्रबंधक मयंक वर्मा व रवि सिकरवार उपस्थित थे।

प्लेट मिल विभाग में तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के प्लेट मिल में चल रहे केपिटल रिपेयर के दौरान, सभागार में 'तनाव प्रबंधन' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। प्लेट मिल में आयोजित इस कार्यशाला में, मुख्य महाप्रबंधक आर के बिसारे मुख्य अतिथि एवं महाप्रबंधक एस के वर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, कि हमारे सभी कर्मचारियों का स्वास्थ्य सर्वोपरी है। हमारे कर्मचारियों ने अपनी मेहनत, लगन एवं समर्पण से प्लेट मिल को नई ऊंचाईयां दी हैं। यह कार्यक्रम उनके कार्यक्षेत्र में कार्यो के दौरान उत्पन्न तनाव प्रबंधन के प्रति जागरूक करने एवं स्वास्थ्य पर पडने वाले बुरे प्रभाव के रोकथाम पर जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में तनाव प्रबंधन कार्यशाला के फैकल्टी वरिष्ठ प्रबंधक गणेश मंथापुरवर ने प्लेट मिल के कर्मचारियों को स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं कार्य स्थल में कार्य के दौरान, सडक पर, घर आदि जगहों पर तनाव प्रबंधन पर प्रभावकारी व्याख्यान दिये। सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग के सहायक प्रबंधक एवं सुरक्षा अधिकारी दीपक पारया ने घर से घर तक सुरक्षा, कार्य क्षेत्र में सुरक्षित कार्य प्रणाली, एवं नियर मिस केसेस तथा सुरक्षा के साथ उत्पादन पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

भिलाई नगर निगम ने शुरू किया कुर्की अभियान, मार्च तक पटाने के लिखित आश्वासन पर कुछ लोगों को छोड़ा

टैक्स नहीं पटाने वालों के खिलाफ निगम प्रशासन सख्त, भिलाई की 14 दुकानें की गईं सील

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। लंबे समय से टैक्स नहीं पटाने वालों के खिलाफनिगम प्रशासन ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। लगातार नोटिस के बाद भी जिन लोगों ने टैक्स नहीं पटाया है, उनके खिलाफ कुर्की वारंट जारी कर दिया गया है। वहीं टैक्स वसूली के लिए निगम ने 14 दुकानों को सील कर दिया। जिन लोगों ने मार्च तक टैक्स पटाने का लिखित आश्वासन दिया, उन्हें मौका दे दिया गया। निगम प्रशासन ने बताया कि राजस्व वसूली टीम निगम क्षेत्र के भवन स्वामी द्वारा संपत्तिकर नहीं पटाए जाने के कारण दुकान में वसूली के लिए पहुंची, तो कुछ बकायादारों ने तत्काल राशि जमा कर राहत की मांग की। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने मार्च में राशि पटाए जाने का वचन पत्र लेकर राशि जमा लेने के निर्देश दिए हैं।

निगम ने शुरू किया कुर्की अभियान

जोन एक स्मृति नगर के श्यामा चरण पांडे की बकाया राशि संपत्तिकर तीन लाख 75 हजार रुपये जमा नहीं करने पर आठ दुकानों को सील कर दिया गया है। जोन दो क्षेत्र के भवन स्वामी उत्तम कुमार लोधी की पांच दुकानों व भगवंतिन बाई की एक दुकान को सील बंद किया गया। राजस्व अमले ने कार्रवाई के दौरान आठ लाख रुपये से अधिक की राशि वसूल की।

बता दें कि सुपेला के आकाशदीप कांपलेक्स में सील की गई 17 दुकानों में से पांच दुकानदारों ने संपत्ति कर की राशि तीन लाख 64 हजार रुपये निगम कोष में जमा की गई और दुकान का ताला खुलवाया। कुर्की कार्रवाई में जोन आयुक्त खिरोद्र भाई, यशा लहरे, सहायक राजस्व अधिकारी जेपी तिवारी, धीरज साहू जोन राजस्व विभाग के कर्मचारी पुलिस प्रशासन तथा तोड़फोड़ दस्ता के अधिकारी-कर्मचारी शामिल रहे।

बकाया दारो से अब सख्ती: टैक्स जमा नहीं करने वाले 8 को अंतिम नोटिस, 41 लाख वसूली करने कुर्की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली के ऐसे 8 लोगों को अंतिम नोटिस जारी किया है, जो टैक्स जमा करने रुचि ही नहीं दिखा रहे है। बकायादारो से 41 लाख 88 हजार, 122 रु. वसूली करना है। तीन दिन के भीतर राशि जमा नही करने पर कुर्की आदेश जारी किया जाएगा। रिसाली निगम आयुक्त आशीष देवांगन टैक्स वसूली को लेकर गंभीर है। विभाग को निर्देश दिया है कि टैक्स जमा में लापरवाही करने वालों से सख्ती से पेस आए। इसी आदेश के बाद निगम के अधिकारी शुक्रवार को पाश कालोनी में रहने वाले 8 लोगों को नोटिस जारी कर राशि जमा करने अंतिम मोहलत दी है। विभाग प्रभारी संजय वर्मा ने बताया कि बकाया दार पिछले कई साल से टैक्स जमा नहीं कर रहे है।

जिन्हे नोटिस जारी किया गया

(नाम व राशि)

नवीन कुमार मैत्री नगर -694021
ढालू राम यादव आजाद मार्केट-387996
जगनाथ यादव पटरीपार रिसाली- 448968
प्रवीण सिंह मैत्री नगर -694021
प्रवीण सिंह मैत्री नगर-1654752
बाल कृष्ण आशीष नगर-239644
नंदनी देवांगन शक्ति विहार -139031
कामेश्वर सिंह शक्ति विहार-199725

राजस्व विभाग के अधिकारियों के मुताबिक बकायदारो की सूची लंबी है।

सभी को नोटिस जारी कर राशि जमा करने कहा गया है। राशि जमा नही करने पर धारा 175 का नोटिस जारी कर नाम सार्वजनिक कर कुर्की कार्यवाही की जाएगी।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम स्वीप अंतर्गत शत-प्रतिशत मतदान के लिए किया जागरूक

दुर्ग। जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल के निर्देश पर आज जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खुर्सीपार के विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर एवं घर-घर दस्तक देकर खुर्सीपार क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान का महत्व बताया और लोकसभा निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करने को कहा। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों ने मतदान जागरूकता के संदेश के साथ बड़ी संख्या में एकत्रित होकर गांव नगपुरा में लंबी रैली निकालकर लोगों को मतदान हेतु जागरूक किया गया। शासकीय उत्तर माध्यमिक विद्यालय कोसा नगर भिलाई के विद्यार्थियों ने स्वीप फॉर्मेशन बनाकर मतदान का संदेश दिया। इसी प्रकार अन्य शासकीय विद्यालयों ने शहर एवं ग्राम स्तर पर रैली निकालकर, मानव श्रृंखला बनाकर, घर-घर दस्तक देकर, नुक्कड़ नाटक एवं विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन कर दुर्ग जिले के मतदाताओं को शतप्रतिशत मतदान करने का संदेश दिया।

विद्युत जोन के अधिकारी व कर्मचारी, पाली व कर्म शिरोमणि पुरस्कार से हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र में आयोजित शिरोमणि पुरस्कार समारोह में विद्युत जोन से उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शित करने वाले अधिकारियों तथा कर्मचारियों को दिनांक 14 फरवरी 2024 को पाली एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य महाप्रबंधक (विद्युत) श्री टी के कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

भिलाई इस्पात संयंत्र के ऐसे कार्मिक, जो अपने कार्यक्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों से ही सुरक्षा के सम्पूर्ण मापदंडों का पालन करते हुए कंपनी के लक्ष्यों को पूर्ण करने के लिए अपने कार्य में नवीनता का प्रदर्शन करते है, उन्हें प्रबंधन द्वारा शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

इसी सन्दर्भ में आयोजित कार्यक्रम में अति उत्तम कार्य प्रदर्शन के लिए जुलाई से सितम्बर तिमाही के लिए उप प्रबंधक (पीएसडी) जितेन्द्र कुमार साहू एवं अक्टूबर से दिसंबर तिमाही के लिए सहायक महाप्रबंधक (ईआरएस) राज कुमार नैय्यर विभाग पाली शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कर्म शिरोमणि पुरस्कार माह सितम्बर 2023 के लिए राम कृष्ण शास्त्री, चीफ मास्टर आपरेटर सह तकनीशियन (पीएसडी), माह अक्टूबर 2023 के लिए राजेश्वरी नरेटी, अटेंडेंट सह तकनीशियन (पीएसडी) तथा नवंबर 2023 के लिए जीवन लाल पैकरा, मास्टर आपरेटर सह तकनीशियन (ईआरएस) विभाग को प्रदान किया गया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (टेलीकॉम) प्रकाश, महाप्रबंधक (ईआरएस) पी के पाढी, महाप्रबंधक (पीएसडी) आर आर ठाकुर, महाप्रबंधक (पीएसडी-2) रविन्द्र कुमार, महाप्रबंधक (पीएसडी-1) बेन्सी जार्ज, महाप्रबंधक (टीपीआईई) एस लक्ष्मी, महाप्रबंधक (एच.एम.ई.) एम ए सिद्दकी, महाप्रबंधक (सीआरएमई) अक्षय कुमार नायक, महाप्रबंधक (ईटीएल) सुभाष राठौर तथा सहायक महाप्रबंधक (विद्युत) श्री अनुरोध डारहे उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों ने पुरस्कार विजेताओं को प्रवीणता प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह और कार्मिक के जीवनसाथी के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान किया एवं पुरस्कार विजेताओं के कार्यस्थल में योगदान एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों को सराहा।

इस कार्यक्रम का संचालन कार्मिक शक्ति एवं विद्युत विभाग की अनुभाग अधिकारी सुश्री दामेष्वरी बेल्सर द्वारा किया गया। उप प्रबंधक श्री गिरीश मढ़रिया ने आभार प्रदर्शन किया।

कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र का कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में, 15 फरवरी से 21 फरवरी 2024 तक ''सुरक्षा जागरूकता सप्ताह और सुरक्षा प्रदर्शनी'' का आयोजन किया जा रहा है। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम और सुरक्षा प्रदर्शनी का उद्घाटन, मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) डॉ अशोक कुमार पंडा ने, दीप प्रज्वलित करके मुख्य महाप्रबंधक तरुण कनरार और मुख्य महाप्रबंधक पी आर भल्ला की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण सहित बड़ी संख्या में कॉन्ट्रैक्चूअल और नियमित कर्मचारी भी उपस्थित थे।

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान, कर्मचारियों के बीच सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने, ''शून्य दुर्घटना'' के लक्ष्य को प्राप्त करने एवं जोखिम मुक्त कार्यक्षेत्र का परिवेश बनाने हेतु, सीओ एंड सीसीडी वेलफेयर बिल्डिंग- 4 के सामने सुरक्षा आधारित थीम कन्वेयर बेल्ट सेफ्टी पर एक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। इस सुरक्षा सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से, सुरक्षित कार्य अभ्यास और खतरों के बारे में जागरूकता का संदेश देने के लिए, पोस्टर प्रदर्शनी, मॉडल प्रस्तुति, निबंध प्रतियोगिता, जोखिम विश्लेषण प्रतियोगिता, टूल बॉक्स टॉक प्रतियोगिता, नाटक, गीत, स्लोगन, प्रश्नोत्तरी और सेफ्टी गेम्स आदि का आयोजन किया जायेगा। सुरक्षा जागरूकता उत्सव के अंतर्गत, सीओ और सीसीडी के विभिन्न वर्गों के बीच हाउस कीपिंग प्रतियोगिता के माध्यम से स्क्रैप और अवांछित सामग्रियों की सफाई की गई। जिसके परिणामस्वरूप काम करने के लिए सुरक्षित माहौल और बेहतर जगह तैयार हुई है।

उद्घाटन के दिन फोटो गैलरी आगंतुकों के लिए एक विशेष आकर्षण का केन्द्र बनी हुई थी। इस कार्यक्रम की सफलता के लिए, उन कलाकारों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई, जिन्होंने अपनी ड्राइंग और पेंटिंग के माध्यम से स्वास्थ्य, पर्यावरण और सुरक्षा पहलुओं को दिखाने के लिए, अपनी मेहनत और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन, विभागीय सुरक्षा अधिकारी एवं महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसीडी) बी सी मंडल, महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसीडी) पी एम राजेंद्र कुमार और युवा कर्मचारियों की टीम द्वारा किया जा रहा है।

श्रीराम जन्मोत्सव समिति में नए सदस्यों की नियुक्ति की गई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्रीराम जन्मोत्सव समिति के प्रदेश अध्यक्ष रमेश माने एवं प्रदेश महामंत्री बुद्धन ठाकुर की अनुमति से कोर ग्रुप की सहमति तथा युवा शाखा अध्यक्ष मनीष पाण्डेय की अनुशंसा से समिति के अहम पदों पर नए सदस्यों की नियुक्ति की गई है। इसमें जिलाध्यक्ष के साथ ही महिला शाखा अध्यक्ष एवं युवा शाखा के महामंत्री व प्रखण्ड में अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है।

श्रीराम जन्मोत्सव समिति के युवा शाखा अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि सनातन धर्म के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित रामभक्त सदैव पूरी श्रद्धा के साथ कार्य कर रहे हैं। समिति के विस्तार एवं सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के मद्देनजर समिति में अहम पदों पर नियुक्तियां की जा रही है जिसके तहत प्रवीण पाण्डेय प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष, विष्णु पाठक, रविन्द्र भगत, योगेन्द्र पाण्डेय को वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मुरलीधर अग्रवाल को मंत्री का दायित्व सौंपा गया है। इसी क्रम में मदन सेन को जिलाध्यक्ष, बसंत प्रधान, जोगिंदर शर्मा व अरविंद वर्मा को महामंत्री एवं दिलीप केशरवानी को जिला सह-कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है। पूर्व प्रखण्ड अध्यक्ष पद पर कुलेश्वर प्रसाद साहू, केम्प प्रखण्ड अध्यक्ष गिरगेश पाण्डेय एवं मुकेश पाण्डेय को रिसाली का प्रभारी नियुक्त कियाा गया है। समिति के युवा शाखा अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए सभी से समिति की रीति-नीति के अनुरूप कार्य करने एवं धर्म रक्षा, जनजागरण सहित सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के प्रति समर्पित होकर कार्य करने आव्हान किया। श्री पाण्डेय ने कहा कि समिति के विस्तार के क्रम में आगे भी और पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी।

बीएसपी के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के स्टील मेल्टिंग शॉप-2 के सभागार में, कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-2) योगेश शास्त्री के मुख्य आतिथ्य में, 17 फरवरी 2024 को राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को प्रोत्साहन एवं भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित राजभाषा नीतियों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में, महाप्रबंधक (एसएमएस-2) टी गोविन्द, महाप्रबंधक (एसएमएस-2) राजीव श्रीवास्तव, महाप्रबंधक (एसएमएस-2) एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी गौरव सिंघल, महाप्रबंधक (एसएमएस-2) एन के गंगवाल, सहायक महाप्रबंधक (एसएमएस-2) के भटनागर, वरिष्ठ प्रबंधक (एसएमएस-2) समीर दास तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सर्वप्रथम महाप्रबंधक (एसएमएस-2) एवं विभागीय हिंदी समन्वय अधिकारी सौरभ जैन ने, स्टील मेल्टिंग शॉप-2 द्वारा, हिंदी के क्षेत्र में की जा रही पहल, विशेष उल्लेखनीय कार्य एवं संयंत्र स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेताओं की जानकारी दी व विभागीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि योगेश शास्त्री ने अपने उद्बोधन में कहा, कि हिंदी में कार्यालयीन कार्य करना हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है, हमें अपने सारे कार्यालयीन कामकाज हिंदी में ही करना चाहिए। राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जो हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए अत्यंत उपयोगी होते हैं। कार्यशाला में, गैर हिंदी भाषी कार्मिकों को बहुत ही उपयोगी व हिंदी सिखाने में सहायक गूगल वॉइस टायपिंग का प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने कार्मिकों से अपील करते हुए कहा कि, आयोजित प्रतियोगिताओं में अधिकाधिक संख्या में भागीदारी करें। भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित राजभाषा नीति के अनुसार भी हिंदी में पत्राचार एवं समस्त कार्यालयीन कागजात हिंदी में लिखने व जारी किए जाने के दिशानिर्देश हैं। अत: समस्त कार्य शत-प्रतिशत हिंदी में करना ही है। हिंदी हमारे समग्र निष्पादन में भी सहायक है।

उप प्रबंधक (संपर्क व प्रशासन द् राजभाषा) जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने इस अवसर पर राजभाषा के सांविधिक प्रावधानों की जानकारी दी तथा ऑनलाइन गूगल वॉइस टाइपिंग एवं ऑनलाइन नोटशीट प्रणाली 'सैप' में हिंदी में नोटशीट बनाने का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में राजभाषा विभाग द्वारा सामान्य ज्ञान, यातायात, सुरक्षा, पर्यावरण एवं वित्तीय शब्द ज्ञान पर आधारित एक रोचक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी इस प्रकार हैं- प्रथम पुरस्कार- महाप्रबंधक (एसएमएस-2) श्री दीपक गुप्ता, द्वितीय पुरस्कार- महाप्रबंधक (एसएमएस-2) श्री सौरभ जैन एवं तृतीय पुरस्कार- महाप्रबंधक (एसएमएस-2) टी गोविन्द ने जीता। प्रोत्साहन पुरस्कार विजेता- महाप्रबंधक (एसएमएस-2) गौरव सिंघल, उपप्रबंधक (एसएमएस-2) कुशल चंद्र साहू एवं कनिष्ठ सहायक जय प्रकाश सोनी रहे। कार्यक्रम का संचालन कार्यालय सहायक संजीव सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (एसएमएस-2) दीपक गुप्ता द्वारा दिया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950